

पम्पापुर में आयुर्वेद जागरूकता और स्वास्थ्य शिविर, ग्रामीणों को मिली निःशुल्क जांच-उपचार की सुविधा

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर वृहद शिविर का आयोजन, सेवा संकल्प अभियान के तहत पम्पापुर व धरमपुर में भी स्वास्थ्य सेवाएं

जाह्दि अंसारी 7 प्रतापपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. अबुल फैज के निर्देश पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पम्पापुर में एक दिवसीय वृहद स्वास्थ्य शिविर एवं आयुर्वेद जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। वहीं सेवा संकल्प अभियान के तहत पम्पापुर एवं धरमपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों को निःशुल्क स्वास्थ्य

जांच, उपचार, दवाइयां एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। पम्पापुर में आयोजित आयुर्वेद जागरूकता शिविर का शुभारंभ सरपंच जलजीत सिंह एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष ओबीसी प्रकोष्ठ संतोष यादव ने भगवान धन्वंतरी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ग्रामीणों को एक ही स्थान पर निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा।

बीपी और शुगर की जांच, आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण

शिविर में आयुर्वेद चिकित्सकों

की टीम ने ग्रामीणों का ब्लड प्रेशर, शुगर एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया। वात, पित्त और कफ के आधार पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हुए जोड़ों के दर्द, गैस-अम्लता, त्वचा रोग सहित विभिन्न सामान्य एवं पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं के संबंध में आयुर्वेदिक उपचार और खान-पान में आवश्यक बदलाव की जानकारी दी गई। पंजीकृत मरीजों को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियां एवं काढ़ा वितरित किया गया।

डॉ. प्रीति जायसवाल एवं डॉ. रिंतु नेताम ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि घर की रसोई और आसपास पाए जाने वाले कई पेड़-पौधों में औषधीय गुण पाए जाते हैं। गिलोय, तुलसी, एलोवेरा,



अश्वगंधा एवं आंवला जैसी जड़ी-बूटियों के उचित उपयोग के साथ संतुलित दिनचर्या स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हो सकती है। उन्होंने

ग्रामीणों को नियमित योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सेवा संकल्प अभियान में

पम्पापुर-धरमपुर में भी शिविर सूरजपुर कलेक्टर रेना जमील के निर्देश तथा सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह, प्रतापपुर बीएमओ

अजीत दीवान एवं बीपीएम सतीश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पम्पापुर एवं धरमपुर में भी वृहद स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित शिविर में पहुंचे ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया गया तथा निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, टीबी एवं कुछ उम्मूलन कार्यक्रम सहित शासन द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही पात्र हितग्राहियों से योजनाओं का लाभ उठाने की

अपील की गई।

स्वास्थ्य अमला और ग्रामीण रहे मौजूद

आयुर्वेद शिविर में डॉ. प्रज्वल सिंह, डॉ. साक्षी गुप्ता, संस्था प्रभारी राधेश्याम राजवाड़े, एलएचव्ही सत्यभामा शर्मा, लैब टेक्नीशियन श्रीति ओझा, श्वेता सिंह, स्टाफ नर्स सुष्टि लकड़ा, प्रमिला सिंह, कुंती सिंह, एमपीडब्ल्यू राजकुमार, पीएडीए गुलाब सिंह, आयुष्मान मित्र तुलेश्वर, फुलकुंवर सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वहीं सेवा संकल्प शिविर में सेक्टर मेडिकल ऑफिसर नीरज दास, सेक्टर सुपरवाइजर सज्जू सिंह, संगीता गुप्ता सहित स्वास्थ्य कर्मचारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

मेकाहारा में चिकित्सकीय लापरवाही के मामले में युवा प्रकोष्ठ ने जताई कड़ी आपत्ति

अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने 2 दिवस के भीतर जांच कर प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराने का दिया आश्वासन



रायपुर। मेकाहारा अस्पताल में श्रीमती रोहिणी साहू के उपचार के दौरान हुई कथित गंभीर चिकित्सकीय लापरवाही के मामले को लेकर आज साहू समाज युवा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधिमंडल ने मेकाहारा अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर से मुलाकात कर मामले की गंभीरता से जांच एवं तत्काल आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट रूप से कहा कि उपचार के दौरान हुई लापरवाही से मरीज की स्थिति गंभीर हुई है तथा पीड़ित परिवार को आर्थिक एवं मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रतिनिधियों ने मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच, दोषी पाए जाने वाले चिकित्सक/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तथा पीड़ित परिवार को उपचार में हुए एवं आगामी आवश्यक चिकित्सा व्यय के संबंध में उचित राहत दिलाने की मांग रखी।

मेकाहारा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि मामले की दो दिवस के भीतर जांच काराकर प्रतिनिधियों को इसकी जानकारी दी जाएगी।

युवा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समयवधि में निष्पक्ष जांच एवं

पीड़ित परिवार को उचित राहत नहीं मिलती है, तो साहू समाज युवा प्रकोष्ठ द्वारा अस्पताल प्रबंधन के विरुद्ध धरना-प्रदर्शन सहित लोकतांत्रिक एवं आवश्यक आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विभाग एवं अस्पताल प्रबंधन की होगी।

इस दौरान प्रदेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री शशिकांत साहू, प्रदेश महामंत्री श्री रोबिन साहू, रायपुर संभाग युवा अध्यक्ष श्री मनीष साहू, रायपुर जिला युवा अध्यक्ष श्री मुकेश साहू, मोट्टी साहू, लोकेश साहू, नोमस साहू सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

घोघरी पंचायत की जांच पर सवाल, 15वें वित्त और मूलभूत मद की जांच का आदेश में जिक्र नहीं

तीन बार कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत के बाद भी जांच में देरी का आरोप, 10 दिन बाद भी गांव नहीं पहुंची जांच टीम

नीलकंठ धिरे / जनता के गोठ सक्ती / मालखरोदा / ग्राम पंचायत घोघरी में कथित वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत पर जनपद पंचायत मालखरोदा द्वारा की जा रही कार्रवाई सवालों के घेरे में है। पंचायत के 15वें वित्त, मूलभूत राशि, मवेशी बाजार और आम बाजार सहित विभिन्न कार्यों की जांच की मांग को लेकर शिकायतकर्ता रामाश्रय द्वारा तीन बार जिला कलेक्टर सक्ती के जनदर्शन में शिकायत की जा चुकी है। इसके बाद जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने 10 सितंबर 2026 को आदेश क्रमांक 3310 जारी कर तीन दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आदेश जारी होने के 10 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जांच टीम गांव नहीं पहुंची है और न ही जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। जांच के दायरे को सीमित करने पर उठे सवाल



शिकायत में ग्राम पंचायत घोघरी के 15वें वित्त, मूलभूत राशि के उपयोग, मवेशी बाजार और आम बाजार सहित पंचायत के विभिन्न कार्यों की जांच की मांग की गई थी। लेकिन जारी जांच आदेश में जांच दल को केवल मवेशी बाजार और आम बाजार की नीलामी से संबंधित अभिलेखों के सत्यापन का निर्देश दिए जाने की बात सामने आई है। जांच दल में वरिष्ठ कारागण अधिकारी देवलाल बंजारे, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी कचरू राम गोड़ और उप अभियंता ओम प्रकाश मरावी को शामिल किया गया है। हालांकि, शिकायत में उठाए गए 15वें वित्त और मूलभूत मद के तहत कराए गए कार्यों एवं राशि के उपयोग की जांच का

उल्लेख आदेश में नहीं होने से जांच की निष्पक्षता और दायरे को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

सरपंच-सचिव को बचाने का आरोप शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि जांच का दायरा सीमित कर केवल बाजार नीलामी के अभिलेखों के सत्यापन तक कार्रवाई रखना, पंचायत के अन्य कार्यों की जांच से बचने जैसा है। उनका कहना है कि इससे सरपंच-सचिव को संरक्षण दिए जाने की आशंका पैदा हो रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों का जवाब सामने आना बाकी है।

दोबारा कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत की तैयारी जांच में देरी और जांच के सीमित दायरे से नाराज शिकायतकर्ता ने अब दोबारा जिला कलेक्टर सक्ती के जनदर्शन में शिकायत करने की बात कही है। उन्होंने पंचायत के सभी संबंधित कार्यों और वित्तीय मदों की जिला स्तरीय अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराने की मांग करने की बात कही है। अब देखना होगा कि जनपद पंचायत मालखरोदा द्वारा जांच के दायरे को लेकर उठे सवालों पर क्या कार्रवाई की जाती है और शिकायतकर्ता की मांग के अनुरूप पंचायत के सभी कार्यों की जांच होती है या नहीं।

कवर्धा में तीन दिवसीय निशुल्क दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का आयोजन

डिटी सीएम विजय शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर शिविर की शुरुआत।

पहले दिन 1200 लोगों का हुआ पंजीयन



सकते हैं। पहले दिन 1200 दिव्यांगजनों का पंजीयन शिविर के पहले दिन करीब 1200 दिव्यांगजनों ने पंजीयन कराया। इसके बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगजनों का परीक्षण कर उनकी आवश्यकता के अनुसार उपकरणों का चयन किया गया। शिविर में श्रवण बाधित दिव्यांगजनों के लिए श्रवण यंत्र, चलने-फिरने में कठिनाई वाले लोगों के लिए बैसाखी, व्हीलचेयर और ट्राईसाइकिल सहित विभिन्न सहायक उपकरण निशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा हाथ-पैर से संबंधित दिव्यांगजनों के लिए जयपुर पुट और कृत्रिम अंग तथा

पोलियो प्रभावित दिव्यांगजनों के लिए केलिपस भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जयपुर से पहुंचे विशेषज्ञ शिविर में दिव्यांगजनों की शारीरिक स्थिति और जरूरत के अनुसार उपकरण उपलब्ध कराने के लिए जयपुर से विशेषज्ञ डॉक्टर एवं तकनीकी विशेषज्ञ पहुंचे हैं। विशेषज्ञों की देखरेख में परीक्षण से लेकर उपकरण वितरण तक की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। शिविर में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन अपने परिजनों के साथ पहुंच रहे हैं। पंजीयन, परीक्षण और उपकरण वितरण के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि लाभार्थियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

कुशल और सक्षम युवा शक्ति ही विकसित भारत की मजबूत आधारशिला : शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

आईसीएमएआई के 11 दिवसीय एडवांस स्कूल ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन, प्रशिक्षणार्थियों को प्रदान किए प्रमाण-पत्र

दुर्ग। इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) द्वारा बीआईटी कॉलेज दुर्ग में आयोजित 11 दिवसीय एडवांस स्कूल ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुभवों, सीख और भविष्य की योजनाओं के संबंध में चर्चा की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि युवाओं के कौशल, ज्ञान और व्यावसायिक क्षमता को निखारने की दिशा में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पहल है। वर्तमान समय में कार्यक्षेत्र तेजी से बदल रहा है और नई तकनीकों के साथ नई संभावनाएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में युवाओं के लिए जरूरी है कि वे अपने शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल और प्रोफेशनल दक्षताओं को भी लगातार विकसित करें।



केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि एडवांस स्कूल ट्रेनिंग प्रोग्राम जैसे प्रशिक्षण युवाओं को अपने ज्ञान को व्यावहारिक रूप से उपयोग करने, कार्यक्षेत्र की आवश्यकताओं को समझने और अपनी क्षमताओं को और बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने करियर की नई संभावनाओं को लेकर अधिक सजग एवं सक्षम बनते हैं।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने विकसित भारत के निर्माण का संकल्प देश के सामने रखा है। इस संकल्प को साकार करने में देश की युवा शक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। युवाओं को अपने क्षेत्र में लगातार नई जानकारी प्राप्त करते हुए समय के साथ स्वयं को अपडेट रखना

चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए ज्ञान के साथ अनुशासन, मेहनत, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की इच्छाशक्ति आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने व्यावसायिक जीवन में उपयोग करें और अपनी सफलता के साथ समाज एवं राष्ट्र के विकास में भी योगदान दें।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी युवाओं

के कौशल विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। शिक्षा और कौशल विकास के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सकता है। समापन समारोह में शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने 11 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। उन्होंने आईसीएमएआई और बीआईटी, दुर्ग द्वारा युवाओं के कौशल विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य में भी ऐसे उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर आईसीएमएआई के चेयरमेन श्री महेन्द्र भोसले, सीएमए श्रीमति मनीषा अग्रवाल, डॉ दलजीत सिंह बाधवा, सीएमए श्री रंजित देशपांडे, सीएमए श्री अरिंदम गोस्वामी, बीआईटी कॉलेज के प्राचार्य श्री अनूप मिश्रा, शिक्षाविद श्री आशुतोष चावरे, दुर्ग जेडी सी केव्ही राव, जिला भाजपा उपाध्यक्ष श्री शिवेंद्र परिहार उपस्थित रहे।

बलंगी पुलिस की कार्रवाई, पहले 12 आरोपी भेजे जा चुके हैं जेल; दो पिकअप में मिले थे 14 मवेशी

मवेशी तस्करी मामले में फरार 13वां आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर (जनता के गोठ) : रघुनाथनगर थाना क्षेत्र की बलंगी चौकी पुलिस ने मवेशी तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे 13वें आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मो. दिलजान अहमद अंसारी (40 वर्ष), पिता मुक्तार अहमद अंसारी, निवासी उमरहर, थाना जियावन, जिला सिंगरली (मध्यप्रदेश) है। आरोपी को पूछताछ के बाद विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

सात पिकअप में मवेशी ले जाने की मिली थी सूचना

मामला 19 मार्च 2026 का है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सात पिकअप वाहनों में मवेशियों को कथित रूप से वरूरता पूर्वक भरकर ले जाया जा



रहा है। सूचना में यह भी बताया गया था कि एक सफेद रंग की ग्रैंड विटारा कार क्रमांक छत 30 त 5161 आगे-आगे चलकर रेकी कर रही है। सूचना के आधार पर बलंगी पुलिस ने चौकी गेट के सामने वाहन चेकिंग शुरू की। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध कार के पीछे सात पिकअप वाहन आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो वाहन चालकों

ने भागने की कोशिश की। दो पिकअप वाहनों को चौकी के पीछे जोगयानी पंचायत भवन की कच्ची सड़क की ओर मोड़कर भगाया गया, जबकि अन्य वाहन भी पीछे की ओर भागने लगे।

घेराबंदी में दो पिकअप पकड़े, 14 मवेशी बरामद

पुलिस ने पीछा और घेराबंदी करते हुए पिकअप क्रमांक स्क 66 ६ 2498 एवं स्क 53 ६ 3982

को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, दोनों वाहनों के चालक मौके पर वाहन छोड़कर फरार हो गए। वाहनों की जांच के दौरान दोनों पिकअप में 7-7 बैस/बैसी, कुल 14 मवेशी, वरूरता पूर्वक बांधकर भरे हुए मिले। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू की।

अब तक 13 आरोपियों की गिरफ्तारी

विवेचना के दौरान पुलिस ने घटना में प्रयुक्त दोनों पिकअप वाहनों को जब्त किया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस के अनुसार, इस मामले में पहले ही 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं, फरार आरोपियों की

झंडा स्थापना के साथ मां महामाया दुर्गा

उत्सव के 14वें वर्ष का हुआ शुभारंभ

नीलकंठ धिरहे

सकी। पुराना स्टेट बैंक के पास स्थित मां महामाया दुर्गा उत्सव समिति द्वारा दुर्गा उत्सव के 14वें वर्ष का शुभारंभ विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। समिति के सदस्यों ने आयोजन स्थल पर झंडा स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की और इस वर्ष होने वाले दुर्गा उत्सव की तैयारियों का शुभारंभ किया।

समिति के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नवरात्रि के अवसर पर दुर्गा मैया की भव्य प्रतिमा स्थापित कर माता का आकर्षक दरबार सजाया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए पूरे उत्साह एवं धार्मिक वातावरण में दुर्गा मैया की पूजा-अर्चना की जाएगी। आयोजन को भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए समिति के सदस्यों ने तैयारियां प्रारंभ कर दी



हैं। पूजा-अर्चना पंडित संजय पांडे द्वारा विधि-विधान से कराई गई। इस अवसर पर समिति के विक्की (सूरजभान), रतीराम, भावेश, प्रशांत, विनम्र, छोटू, मिंटू, आकाश, अमित, राहुल, हिमांशु, तरुण, कृष्, अनमोल, अनंत, लाला, रांकी, सिद्धार्थ सहित समिति

के सभी सदस्य उपस्थित रहे। झंडा स्थापना के साथ ही समिति के सदस्यों ने आगामी दुर्गा उत्सव को लेकर उत्साह का माहौल है। समिति द्वारा इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए भव्य आयोजन एवं आकर्षक सजावट की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

15 दिन में बहा रपटा पुल, ग्रामीणों ने उठाए निर्माण

गुणवत्ता पर सवाल

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर जांच और स्थायी पुल की मांग, 15 दिन में काम शुरू कराने का आश्वासन

जाहिद अंसारी सूरजपुर। जनपद पंचायत भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत डबरीपारा (खुटरापारा) में गोबरी नदी पर हाल ही में निर्मित रपटा पुल के करीब 15 दिनों में तेज बहाव में बह जाने के बाद ग्रामीणों ने निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए हैं। बुधवार को जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने कलेक्टर पट्टचकर कलेक्टर रेना जमील को ज्ञापन सौंपते हुए मामले की जांच और आवागमन बहाल कराने की मांग की।

ग्रामीणों के अनुसार 30 जून 2025 को गोबरी नदी पर बना मुख्य पुल क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके बाद



आवागमन की समस्या बनी हुई थी। ग्रामीणों के प्रयास के बाद रपटा पुल निर्माण के लिए शासन से 15 लाख रुपए की स्वीकृति मिली थी। निर्माण के करीब 15 दिन बाद तेज बहाव में पुल बह जाने से स्कूली बच्चों, किसानों, मरीजों और अन्य ग्रामीणों के आवागमन में परेशानी बढ़ गई है।

ज्ञापन में ध्वस्त रपटा पुल की तत्काल मरम्मत, स्थायी पक्के पुल का निर्माण तथा निर्माण में इस्तेमाल सामग्री

और तकनीकी मापदंडों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने जांच के आधार पर जिम्मेदारी तय कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग भी रखी। प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान कलेक्टर ने 15 दिनों के भीतर काम शुरू कराने का आश्वासन दिया। वहीं विभागीय स्तर पर संबंधित ठेकेदार के भुगतान को रोकने जाने की जानकारी भी सामने आई है। 10 दिन में कार्रवाई नहीं तो चक्काजाम की चेतावनी

जनपद सभापति राजू कुमार गुप्ता ने कहा कि यदि आश्वासन के अनुसार निर्धारित समय में काम शुरू नहीं हुआ तो ग्रामीणों के साथ धरना दिया जाएगा। ग्रामीणों ने 10 दिनों में ठेस कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में डुमरिया स्थित विश्वकर्मा ढाबे के पास ह्वा-43 पर शांतिपूर्ण चक्काजाम की चेतावनी दी है।

ज्ञापन सौंपने वालों में जनपद सभापति राजू कुमार गुप्ता, डबरीपारा सरपंच, बांसापारा सरपंच, गंगौटी सरपंच एवं उपसरपंच के साथ नीरज साहू, प्रवीण कुमार साहू, दीप नारायण साहू, जगतपाल सिंह, चंद्रदेव साहू, अवधेश कांशी, लाकेश्वर सिंह मरावी, राजेंद्र यादव, हरिओम नारायण पाण्डेय, राकेश साहू, रामदत्त पाण्डेय, लवकेश यादव, मनोज यादव, दीपक साहू, छैला बाबू, कृष्णा यादव, ललन साहू एवं चीनू गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

25 सितंबर से जिले के 1,743 आंगनवाड़ी

केंद्रों में सजेगी ‘पोषण थाली’

जनसहभागिता से ‘न्योता भोज’ और ‘खिलौना बैंक’ को सफल बनाने की विशेष अपील

कवर्धा, राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कबीरधाम जिले की सभी 9 बाल विकास परियोजनाओं के अंतर्गत आने वाले 1,743 आंगनवाड़ी केंद्रों में तिथिवार एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक परिवार की सहभागिता के साथ व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना, कुपोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा ‘विकसित भारत-2047’ के लिए नागरिक संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है।

‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में हितग्राही माताओं, अभिभावकों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 25 सितंबर को बोड़ला एवं कुंडा परियोजना, 27 सितंबर को तरेगांव जंगल परियोजना, 28 सितंबर को सहसपुर लोहारा एवं पंडरिया परियोजना, 29 सितंबर को चिल्पी परियोजना तथा 30 सितंबर को कुकुटुर एवं दशरंगपुर परियोजना में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का उपयोग बच्चों एवं स्वयं के बेहतर पोषण के लिए करने वाली सजग माताओं को ‘पोषण शक्ति सम्मान’ से सम्मानित किया जाएगा। इसके



साथ ही गर्भवती माताओं, महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य एवं पोषण जांच की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार टीकाकरण भी किया जाएगा। सामुदायिक सहभागिता के साथ ‘मेरी पौष्टिक थाली’ गतिविधि के अंतर्गत पोषण थाली एवं पौष्टिक व्यंजनों को तैयार करने की विधि का प्रदर्शन किया

जाएगा, ताकि परिवारों को स्थानीय एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक किया जा सके।

कार्यक्रम में जनसहयोग से बच्चों के लिए स्वादिष्ट एवं पौष्टिक ‘न्योता भोज’ का आयोजन किया जाएगा। विभाग ने नागरिकों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और समुदाय के अन्य लोगों से आगे बढ़कर इस पहल में सहयोग करने की अपील की है। बच्चों के लिए खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ फल एवं मिठाई का वितरण किया जाएगा। महिलाओं के लिए मेहंदी, रंगोली तथा ‘स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता’ जैसी गतिविधियां भी आयोजित होंगी।

जहां स्थान उपलब्ध होगा, वहां आंगनवाड़ी केंद्रों में ‘पोषण वाटिका’ विकसित करने के लिए पौधारोपण किया जाएगा। इसके साथ ही ‘घर-घर मुन्गा, हर घर

मुन्गा’ की मुहिम को बढ़ावा देते हुए परिवारों को मुन्गा एवं अन्य पोषणयुक्त पौधों के रोपण के लिए प्रेरित किया जाएगा। बच्चों के लिए खेल सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ‘खिलौना बैंक’ की पहल को भी जनसहयोग से मजबूत किया जाएगा। समुदाय के लोगों से अपील की जाएगी कि वे उपयोगी खिलौने आंगनवाड़ी केंद्रों के खिलौना बैंक में उपलब्ध कराएं, जिससे बच्चों के लिए खेल-खेल में सीखने का बेहतर वातावरण तैयार हो सके।

कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं मित्रांगनों के योगदान को भी सम्मानित किया जाएगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा उनके सेवाभावी कार्यों के लिए सम्मान किया जाएगा। विभाग द्वारा बताया गया।

रायपुर। राजधानी रायपुर के भाड़ागांव बाजार क्षेत्र में बुधवार सुबह अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के दौरान नगर निगम की टीम पर जानलेवा हमला और शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। घटना में निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को चोटें आई हैं। मामले में पुरानी बस्ती थाना पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों सहित अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

कार्रवाई के दौरान मारपीट और गाली-गलौज



अमले का विरोध करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते आरोपियों ने टीम के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी, जिससे कई कर्मचारी घायल हो गए और शासकीय कार्य बाधित हुआ।

बीएनएस की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

घटना के तुरंत बाद रायपुर नगर निगम के राजस्व विभाग के अधिकारी ने पुरानी बस्ती थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर क्रमांक 0507/2026

दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धारा 221, 132, 296, 115(2) एवं 3(5) के तहत अपराध पंजीकृत कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

निगम प्रशासन का कड़ा रुख और नागरिकों से अपील

घटना के बाद नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त और व्यवस्थित करने का अभियान रुकने वाला नहीं है और यह निरंतर जारी रहेगा।

9 वर्षीय बालक मुंबई से सकुशल बरामद, पुलिस

व सीडब्ल्यूसी टीम लाई वापस

स्कूल जाने से बचने के लिए ट्रेनों से सफ़र कर मुंबई पहुंचा था बालक, बाल कल्याण समिति ने काउंसिलिंग के बाद परिजनों को सौंपा

जाहिद अंसारी 7 सूरजपुर। चौकी बसदेई क्षेत्र से लापता हुए 9 वर्षीय बालक को सूरजपुर पुलिस एवं बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की संयुक्त टीम ने महाराष्ट्र के मुंबई क्षेत्र से सकुशल बरामद कर वापस लाया। बालक के सुरक्षित मिलने के बाद पुलिस ने उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया, जहां काउंसिलिंग के बाद उसे परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।



काफी खोजबीन की, लेकिन बालक का कोई सुराग नहीं मिला। रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 137(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की।

मुंबई में होने की मिली जानकारी- मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सूरजपुर योगेश कुमार पटेल ने बालक की हरसंभव पतासाजी कर जल्द दस्तखती के निर्देश दिए। इसके बाद चौकी बसदेई पुलिस ने बालक की लगातार तलाश शुरू की। इसी दौरान उसके कल्याण, मुंबई में होने की जानकारी पुलिस को मिली। जानकारी मिलने के

बाद पुलिस एवं सीडब्ल्यूसी की टीम विधिवत महाराष्ट्र के लिए रवाना हुई। टीम ने उल्हासनगर स्थित बाल कल्याण समिति महाराष्ट्र से बालक को अपने संरक्षण में प्राप्त किया और उसे सकुशल बसदेई वापस लेकर आई। इसके बाद बालक को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया। काउंसिलिंग के उपरांत बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

पढ़ाई और स्कूल से बचने के लिए निकला था- पूछताछ के दौरान

बालक ने बताया कि वह पढ़ाई और स्कूल जाने से बचना

चाहता था। इसी वजह से वह घर से निकल गया और 2-3 ट्रेनों में सफर करते हुए मुंबई पहुंच गया था। पुलिस की तत्परता और लगातार पतासाजी के चलते बालक को सुरक्षित वापस लाया जा सका।

इनकी रही सक्रिय भूमिका- कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन एवं सीएसपी बेनाई कुपूर के मार्गदर्शन में की गई। इसमें चौकी प्रभारी बसदेई रघुवंश सिंह, प्रधान अरक्षक शिवकुमार सारथी, अरक्षक विकास पटेल एवं सीडब्ल्यूसी के दो सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

मोंगरा बैराज में ‘सेवा संकल्प अभियान’: 500 से अधिक

पौधों का रोपण, नुक्कड़ नाटक से दिया सुशासन का संदेश

अंबागढ़ चौकी (मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत बुधवार को मोंगरा बैराज परिसर में जनभागीदारी से विशाल सेवा व पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम के अंतर्गत ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान चलकर बैराज परिसर में 500 से अधिक पौधे लगाए गए। वहीं, ‘नमो सेवा’ के तहत आयोजित संगीतमय नुक्कड़ नाटक के जरिए नागरिकों को सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया।

जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने की सहभागिता

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम, नगर पंचायत अध्यक्ष श्री अनिल मानिकपुरी, पूर्व विधायक श्री संजीव शाह, जिला पंचायत सदस्य



श्रीमती शांति त्रिपुरे, नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्री पवन गुप्ता, जनप्रतिनिधि श्री दिलीप वर्मा सिंह और वनमंडलाधिकारी श्री अभिनव कुमार सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं, जिला स्तरीय अधिकारी और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। सभी उपस्थितजनों ने पौधरोपण कर उनके संरक्षण और देखभाल का संकल्प लिया।

मां के सम्मान व संस्कारों से जुड़ा है अभियान- नम्रता सिंह

पर्यावरण और जल संरक्षण केवल शासन या विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें हर नागरिक की सहभागिता अनिवार्य है। मोंगरा बैराज जैसे महत्वपूर्ण जलस्रोत के आसपास पौधरोपण से हरित क्षेत्र बढ़ेगा और जल संरक्षण को मजबूती मिलेगी। आज लगाया गया एक पौधा हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण और सुरक्षित भविष्य की नींव बनेगा।

संगीतमय नुक्कड़ नाटक ‘अनकही कहानियां’ का मंचन

मोंगरा बैराज परिसर में ‘नमो सेवा’ कार्यक्रम के अंतर्गत ‘अनकही कहानियां’ शीर्षक से एक प्रभावी संगीतमय नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपनी संगीतमय प्रस्तुति के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सुशासन और नागरिक अधिकारों की जानकारी दी। नाटक के जरिए आम जनता को विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने और योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा।

संपादकीय

यह रोजगार ‘जीरे’ समान

हमें 2013-14 का परिदृश्य याद आ रहा है। तब नरेन्द्र मोदी भाजपा के प्रधानमंत्री उम्मीदवार थे। वह दीर भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी का था। कमोबेश महंगाई और बेरोजगारी आज भी प्रबल हैं। बहरहाल 2014 में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मोदी ने देश को आश्वासन दिया था कि यदि उनकी पार्टी की सरकार बनी, तो सालाना 2 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाएंगे। देश ने भाजपा को जनादेश दिया और मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। तब से वह इस संवैधानिक पद पर हैं, लेकिन सवा 12 साल के कालखंड में सरकार ने कुल 15 लाख से अधिक नियुक्ति-पत्र बांटे हैं। वैसे सरकार का दावा है कि कुल मिला कर करीब 17 करोड़ रोजगार सृजित किए गए हैं। आश्वासन के मुताबिक, कुल 24 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाने चाहिए थे। इसका कोई स्पष्टीकरण प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक नहीं दिया। वैसे केंद्र सरकार में फिलहाल 8 लाख से अधिक पद खाली हैं। उन्हें क्यों नहीं भरा जाता? यह सवाल हम करते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने निजी या सार्वजनिक उपक्रमों में भी कितना रोजगार मुहैया कराया, इसका भी कोई डाटा नहीं दिया गया है। नीति आयोग की एक रपट में यह खुलासा जरूर किया गया है कि मात्र 8.27 फीसदी स्नातकों को ही उनकी योग्यता के मुताबिक काम मिल पाया है। अर्थात शेष 91 फीसदी से ज्यादा युवा और कामगार निजी क्षेत्र में अचढ़ाई, अनुपयुक्त, औनी-पौनी नौकरी कर रहे हैं या ठेके पर काम कर रहे हैं अथवा खेती के काम का दावा कर रहे हैं। खेती में औसतन 10,000 रुपए से कुछ अधिक की माहवार आमदनी है, यह सरकार का ही आंकड़ा है।

दरअसल भारत में रोजगार की यही औसत हकीकत है। सबसे बड़े राज्य उप्र का ही उदाहरण लें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2022 में चुनाव जीतने से पहले वायदा किया थाकि 5 साल में 70 लाख रोजगार (नौकरी समेत) दिए जाएंगे। वह 2017 से लगातार सत्ता में हैं। अब चुनाव के मुहाने पर उन्होंने ही खुलासा किया है कि साढ़े 9 साल में हमने करीब 9.50 लाख नौकरियां (क्या रोजगार भी?) दी हैं और आगामी 6 माह में 1 लाख नौकरियां और देंगे। इन रोजगारों का कुल जोड़ किया जाए, तो यह 70 लाख की तुलना में ‘ऊंट के मुंह में जीरा’ समान है। उप्र सरकार ने अभी जो रोजगार मेला आयोजित किया था, उसमें सिर्फ 818 नियुक्ति-पत्र ही बांटे गए। सरकार के पास मुश्किल से 4 महीने बचे हैं। उसके बाद चुनाव घोषित हो जाएंगे और आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। नौकरियां कैसे देंगे? चूंकि उप्र विधानसभा चुनाव मार्च-अप्रैल, 2027 में होना है और भाजपा के लिए यह चुनाव जीतना ‘नाक और सम्मान का सवाल’ है, लिहाजा प्रधानमंत्री, मंत्रीगण, प्रवक्ता और मुख्यमंत्री ‘जेन-जी’ के प्रति प्यार, प्रतिबद्धताएं उंडेल रहे हैं। जेन-जी और अपेक्षकृत कुछ ज्यादा उम्र के युवाओं के रोजगार का यथार्थ यह है कि बजट में जिस ‘पीएम इंटरनॅशिय योजना’ को ढोल पीटते हुए घोषणा की गई थी, उसके तहत 16,614 युवाओं को ही इंटरनॅशिय नसीब हुई है, जबकि योजना के मुताबिक, करीब 3.68 लाख युवाओं को यह अवसर मिलना चाहिए था। कारण, फासले, विसंगतियां प्रधानमंत्री या वित्त मंत्री ही जानते होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की झड़दार योजनाओं में ‘कौशल विकास’ भी शामिल रही है। 2015-26 के दौरान कुल 4.73 करोड़ के करीब युवाओं के पंजीकरण, प्रशिक्षण और उन्हें प्रमाण-पत्र दिए जाने की स्थिति सामने आई है, लेकिन उनमें से सिर्फ 21.84 लाख को ही नौकरी, रोजगार प्राप्त हो सके हैं। सरकार के लिए यह आंकड़ा भी गुलगुलाने वाला होगा। सवाल किया जा सकता है कि क्या शेष 4 करोड़ से अधिक युवा ‘कौशलहीन’ थे? उनके रोजगार का क्या हुआ? क्या यह योजना भी नाकाम रही है? ‘अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी निजी’ है, लेकिन उसकी प्रतिय्धा और स्तर मयमदेदार हैं। उसका अध्ययन और सर्वेक्षण है कि 2004-23 के बीच देश में करीब 50 लाख युवा ‘स्मृतक’ बने। यानी डिग्रीधारी बने, लेकिन उनमें से करीब 28 लाख को ही रोजगार मिला।

आज का इतिहास

1857 - रूसी युद्धपोत लिफोर्ट फिनलैंड की खाड़ी में तूफान के दौरान गिर गया था जिसमे 826 सवार थे,

1862 - संयुक्त राज्य अमेरिका में दास्ता: मुक्ति उद्घोषणा का एक प्रारंभिक संस्करण जारी किया गया था.

1885 - लॉर्ड रैंडोल्फ ने चर्चिल होम नियम के विरोध में अल्स्टर में एक भाषण दिया था.

1888 - नेशनल ज्योग्राफिक पत्रिका का पहला अंक प्रकाशित किया गया था.

1910 - यॉर्क का पिक्चर हाउस का ड्यूक ब्राइटन में खुला जो ब्रिटेन में सबसे पुराना ऑपेरेटिंग सिनेमा था.

1919 - संयुक्त राज्य भर में फैलाने से पहले 1919 की इस्पात हड़ताल, अस्लगामेटेड एसोसिएशन ऑफ आयरन एंड स्टील वर्कर्स के नेतृत्व में, पेंसिल्वेनिया में शुरू हुई थी।

1922 - फिलिस्तीन के जनादेश को राष्ट्रसंघ परिषद द्वारा मंजूरी दे दी गयी थी.

1934 - वेल्स में ग्रॅंसफोर्ड कोलीरी में एक विस्फोट हुआ जिससे 266 खनिक और बचावकर्ताओं की मौत हो गयी थी.

1948 - गेल हेल्चर्सन ने आधिकारिक तौर पर बर्लिन एयर लिफ्ट के हिस्से के रूप में बच्चों को कैंडी को पैराशूट करना शुरू कर दिया था.

1957 - हैती में, फ्रेंकोइस डुवालियर राष्ट्रपति चुने गए.

1960 - माली फेडरेशन से सेनेगल वापस लेने के बाद सूडानी गणराज्य का नाम माली रखा गया था.

1965 - कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 का भारत-पाकिस्तान युद्ध (जिसे दूसरा कश्मीर युद्ध भी कहा जाता है) संयुक्त राष्ट्र के युद्धविराम की मांग के बाद समाप्त हो गया था.

1975 - सारा जेन मूर ने अमेरिकी राष्ट्रपति जेराल्ड फोर्ड की हत्या की कोशिश की थी.

1979 - एक परमाणु हथियार के विस्फोट जैसा दिखने वाला एक उज्ज्वल फ्लैश, प्रिंस एडवर्ड द्वीपसमूह के पास मनाया गया था.

1980 - इरान-इराक युद्ध: इराक ने इरान पर हमला किया था.

1991 - डेड सागर स्कॉल को हट्टिंग्टन लास्वैरी द्वारा पहली बार जनता के लिए उपलब्ध कराया गया था.

1995 - नागरकोविल स्कूल बमबारी, श्रीलंका वायुसेना द्वारा की गयी जिसमें कम से कम 34 लोग मारे गए थे.

2013 - पाकिस्तान के पेशावर में एक ईसाई चर्च में आत्मघाती बमले में कम से कम 75 लोग मारे गए थे.

1791 - अंग्रेजी वैज्ञानिक माइकल फैराडे का जन्म हुआ था.

युद्ध की आग से तपती दुनिया में शांति की तलाश

पूरी दुनिया आज ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, जलवायु संकट, साइबर हमले और सामाजिक असहिष्णुता ने मानवता की साझा आकांक्षाओं को बारंबार चुनौती दी है। ऐसे में शांति का विचार केवल युद्ध न करने तक सीमित नहीं रह गया है। शांति आज जीवन, न्याय, समानता, पर्यावरण संरक्षण और मानसिक संतुलन से जुड़ी एक व्यापक संस्कृति है। 21 सितंबर को मनाया जाने वाला ‘अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस’ इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक विषय ‘शांति में निवेश करें : हर किसी के लिए, हर जगह, हर दिन’ के तहत मानवता के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1981 में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की स्थापना का उद्देश्य युद्ध और हिंसा के दुष्परिणामों पर ध्यान दिलाना था।

(अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस (21 सितंबर) पर विशेष)



विश्व शांति दिवस

असमानता की प्रवृत्तियां बढ़ जाती हैं। इसलिए शिक्षा को शांति निर्माण के केंद्र में लाना होगा। शिक्षा कार्यक्रमों में मानवाधिकारों, लोकतंत्र, लैंगिक समानता, जलवायु जागरूकता और डिजिटल साक्षरता को शामिल करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पिछले वर्षों में दिए गए शांति दिवस के विषयों का विश्लेषण बताता है कि शांति के लिए समय-समय पर बदलती चुनौतियों के अनुरूप नीति निर्माण की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, 2010 में ‘शांति और विकास के लिए युवा’ पर बल दिया गया जबकि 2019 में ‘शांति के लिए जलवायु अपराधों की ओर ले जाने वाले महत्वपूर्ण कारक’ हैं। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, योग-ध्यान, परामर्श और सामुदायिक समर्थन शांति निर्माण का आधार बन सकते हैं। शांति का वैश्वीकरण शिखा से भी गहराई से जुड़ा है। विश्वभर में लगभग 24 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर हैं, जिनमें अधिकांश संघर्षग्रस्त या गरीब क्षेत्रों से हैं। शिक्षा से वंचित बच्चों में हिंसा, कटुता और

युद्धविराम की अवधि तक सीमित नहीं रखा जा सकता, इसे समाज के प्रत्येक स्तर पर विकसित करना होगा। आर्थिक असमानता शांति की राह में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में वैश्विक बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत तक पहुंची जबकि करोड़ों लोग आज भी अनौपचारिक क्षेत्र में काम कर रहे हैं, जहां सामाजिक सुरक्षा का अभाव है। बेरोजगारी और आर्थिक असमानता हिंसा, अपराध और सामाजिक अस्तौेप को विकास के लिए युवा’ पर बल दिया गया जबकि 2019 में ‘शांति के लिए जलवायु अपराधों’ जैसे विषयों ने पर्यावरणीय संकट को शांति का केंद्रीय मुद्दा बनाया। कोविड-19 महामारी के दौरान 2020 का विषय ‘एक साथ शांति को आकार देना’ यह दर्शाता है कि वैश्विक संकटों के समय सहयोग की संस्कृति ही समाधान का आधार बनती है। इसी प्रकार 2024 का विषय ‘शांति की संस्कृति का विकास करना’ यह इंगित करता है कि शांति को केवल

की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व के 180 में से अधिकांश देशों में भ्रष्टाचार एक बड़ी चुनौती है। शांति निर्माण के लिए स्वतंत्र न्याय प्रणाली, पारदर्शी प्रशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कदम आवश्यक हैं। नागरिकों को सूचना का अधिकार, शिकायत निवारण तंत्र और डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए जाने चाहिए ताकि वे शासन में सक्रिय भूमिका निभा सकें। शांति केवल प्रशासनिक व्यवस्था से नहीं बल्कि नागरिकों की भागीदारी और विश्वास से भी बनती है।

शांति निर्माण में संस्कृति, कला और संवाद भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, संगीत समारोह, नाटक, साहित्य और खेल प्रतियोगिताएं लोगों के बीच विश्वास और सहयोग का पुल बना सकते हैं। युद्धग्रस्त क्षेत्रों में सांस्कृतिक कार्यक्रम मानसिक आघात से उबरने में मदद कर सकते हैं। महात्मा गांधी का यह कथन कि ‘शांति का कोई मार्ग नहीं है, शांति ही मार्ग है’ हमें याद दिलाता है कि शांति कोई लक्ष्य नहीं, जीवन का तरीका है। इसी तरह अल्बर्ट आइंस्टीन का यह विचार कि ‘शांति बल से नहीं बल्कि समझ से कायम रहती है’ बताता है कि संवाद और समझ ही स्थायी समाधान का आधार हैं।

पर्यावरण संरक्षण भी शांति निर्माण का आवश्यक अंग है। जलवायु परिवर्तन की वजह से उत्पन्न प्राकृतिक आपदाएं, जल संकट और खाद्य असुरक्षा संघर्षों को बढ़ा सकती हैं। इसलिए नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, जैव विविधता का संरक्षण और सतत कृषि को बढ़ावा देना आवश्यक है। महिलाओं की सहभागिता शांति निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती है। संयुक्त राष्ट्र

की रिपोर्ट के अनुसार, संघर्ष क्षेत्रों में महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं, फिर भी शांति वार्ताओं में उनकी भागीदारी बेहद सीमित है। शोध बताते हैं कि जहां महिलाओं को शांति प्रक्रियाओं में शामिल किया जाता है, वहां संघर्ष समाप्त होने की संभावना 35 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसलिए महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देना, उन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाएं और राजनीतिक मंच उपलब्ध कराना आवश्यक है।

आज की दुनिया में शांति की संस्कृति का निर्माण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है, व्यक्ति, समुदाय, नागरिक समाज, मीडिया, शैक्षणिक संस्थाएं और अंतर्राष्ट्रीय संगठन सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। व्यक्तिगत स्तर पर जिम्मेदार व्यवहार, सहिष्णुता, मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल और संवाद की संस्कृति विकसित करनी होगी। सामुदायिक स्तर पर स्थानीय शांति समितियों का गठन, युवा नेतृत्व कार्यक्रम, सांस्कृतिक मेलों का आयोजन और सहयोगी नेटवर्क बनाना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य, जलवायु समझौते और शांति निर्माण कार्यक्रमों का समर्थन करना होगा। तभी एक ऐसा विश्व संभव होगा, जहां युद्ध और हिंसा के स्थान पर संवाद, सहयोग और मानवता का सम्मान प्रमुख होगा। शांति का मार्ग कठिन रास्ता है परंतु यदि हम शिक्षा, संवाद, न्याय, पर्यावरण संरक्षण और मानसिक स्वास्थ्य को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर कार्य करें तो स्थायी शांति का निर्माण संभव है। (लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और ‘सागर से अंतर्निश तक: भारत की रक्षा क्रांति’ सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

आज का राशिफल

मेष- ख्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष- विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहें। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क- आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्मत्ति के योग हैं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह- व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पૈतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्‍चात्‍ताप होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। महत्‍वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला- लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रख न अपनाएं। अज्ञा और उक्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जन से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पर-प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभ समाचारों मिलेंगे। शुभांक-3-5-6

धनु- प्रियजनों से सामगम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर- कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितेषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ- राजकीय कार्यों से लाभ। पૈतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन- व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय के चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी

का राजनीतिक यथार्थ

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छत्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो ‘दीदी’ कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं– पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी।

ललित गर्ग

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की सत्ताआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न ‘जोड़ा फूल’ को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थायी रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का ‘काला दिन’ बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं।

अगस्त 2026 में कोलकाता में छत्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लगा रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया।



जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेशनग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस ‘गंदे खेल’ के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है। भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक समस्याओं को हिला दिया। छत्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके सम्मिश्र अस्तित्व रक्षा का सबसे अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके सम्मिश्र अस्तित्व रक्षा का सबसे अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के

राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अत्यधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उपजी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-रोष ने मिलकर उनकी दलगत जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मर्यादा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तृणमूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वमान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धुंने से शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए।

तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आगों को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े परिश्रम और संघर्ष से सींचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है। यद्यपि उन्होंने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के

खिरूद्ध बताते हुए शीर्ष अदालत का द्वार खटखटया है, परंतु तत्काल रूप से इस स्थिति ने दल के कार्यकर्ताओं में भारी असमंजस पैदा कर दिया है। सत्ता से बाहर होते ही ममता बनर्जी बहाुआमी कानूनी चुनौतियों से भी घिर गई हैं। चुनावी अभियानों के दौरान दिए गए बयानों को लेकर उनके खिलाफ विभिन्न स्थानों पर प्राथमिक दर्ज कराई गई हैं। जनसभाओं और रैलियों के संचालन में उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन तथा व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों में भी दंडात्मक कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं। ये तमाम कानूनी उल्लंघन न केवल उनकी प्रशासनिक छवि पर प्रश्न खड़े करती हैं, बल्कि उन्हें राजनीतिक पुर्ननिर्माण के स्थान पर कानूनी बचाव की मुद्रा में ला खड़ा करती हैं।

ममता बनर्जी की वास्तविक पूंजी उनकी साख थी, जो एक साधारण, त्यागपूर्ण और आम जनता की रक्षक के रूप में बनी थी। जनाक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बावजूद विपरीत परिस्थितियों में पली-बढ़ी ममता बनर्जी ने आसानी से घुटने न टेकने का संकल्प दोहराया है। राजनीति से संन्यास लेने की बातों को खारिज करते हुए उन्होंने पुनः जन-सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने का मार्ग चुना है। वर्तमान परिस्थितियों में उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाना शुरू किया है। नंदीग्राम उपचुनाव में अपने प्रत्याशी का नाम वापस लेकर कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करना इसी रणनीति का भाग है। संक्षेप में कहा जाए तो ममता बनर्जी का वर्तमान समय उनके राजनीतिक जीवन की सबसे कसौटी पूर्ण परीक्षा का काल है। एक और दल में टूट, नाम व दल का स्थान और मुकदमों का अंबार है, तो दूसरी ओर अपनी खोई साख को पुनः प्राप्त करने की विशाल चुनौती। इतिहास साक्षी है कि वे संकटों से उभरकर वापसी करने में माहिर रही हैं, किंतु इस बार चुनौती केवल राजनीतिक विरोधियों से नहीं, बल्कि अपनी ही बिखरी हुई विरासत को समेटने की है। अब यह देखना अत्यंत दिलचस्प होगा कि क्या वे अपने जनआंदोलन की पुरानी शैली के बल पर इस राजनीतिक चक्रव्यूह को भेद पायेंगे कि या नहीं।

दुर्ग में राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई: 25 मामलों की हुई सुनवाई, 7 प्रकरण नस्तीबद्ध; कड़े निर्देश जारी

समझौते और आपसी सहमति से सुलझे मामले

दुर्ग (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में बुधवार को बालगृह परिसर (पांच बिल्डिंग) स्थित प्रेरणा सभा कक्ष में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर जनसुनवाई आयोजित की गई। यह प्रदेश स्तर की आठवीं और दुर्ग जिले की दूसरी जनसुनवाई थी। जनसुनवाई में कुल 33 दर्ज मामलों में से 25 प्रकरणों पर गहन सुनवाई की गई, जिनमें से 7 मामलों का मौके पर ही निराकरण करते हुए उन्हें नस्तीबद्ध (फ़ाइल क्लोज़) कर दिया गया। इस दौरान आयोग की प्रधारी सुशीला टोप्पो तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती पुष्पा कुजूर भी मौजूद रहें।

जनसुनवाई के प्रमुख मामले और आयोग के निर्देश

- 4 माह में रजिस्ट्री न कराने पर दर्ज होगी FIR:

जमीन की रजिस्ट्री से जुड़े एक मामले में अनावेदक ने बताया कि ग्राम उमरपोटी में वर्तमान में रजिस्ट्री बंद है और तीन महीने बाद शुरू होगी। आयोग ने अनावेदक को कड़ा निर्देश दिया कि आज से 4 माह के भीतर आवेदिका के नाम पर जमीन की रजिस्ट्री कराई जाए, अन्यथा उसके खिलाफ वैधानिक एफ़आईआर दर्ज कराई जाएगी।

- NTPC दिल्ली प्रबंधन को लिखा जाएगा पत्र:

एक आवेदिका ने शिकायत की कि एनटीपीसी (इज़ाबत) दिल्ली में कार्यरत उसका पति पिछले दो माह से उसे खर्चा और बेटी की स्कूल व ट्यूशन फीस नहीं दे रहा है। आयोग ने इस पर संज्ञान लेते हुए एनटीपीसी दिल्ली प्रबंधन को पूरी जानकारी के साथ पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए।

- 1.80 करोड़ रुपये के मुआवजे में हिस्से का मामला छस्सको प्रेषित:



एक प्रकरण में नोटिस तामिल होने के बावजूद अनावेदक अनुपस्थित रहा। अविवाहित आवेदिका का आरोप है कि अनावेदक को 1 करोड़ 80 लाख रुपये का मुआवजा मिला है, जिसमें से वह अपना हक चाहती है। प्रकरण के



DIR रिपोर्ट बनाने के निर्देश:

पति द्वारा दूसरी शादी कर आवेदिका के साथ गाली-गलौज और प्रताड़ना के मामले में आयोग ने महिला एवं बाल विकास विभाग के संरक्षक अधिकारी को

सुलझे मामले

- सास-बहू का विवाद समाप्त: बहू द्वारा सास के खिलाफ दर्ज कराए गए मानसिक प्रताड़ना के मामले में दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता हो गया, जिसके बाद प्रकरण को नस्तीबद्ध कर दिया गया।

- UPI से मिलेगा भरण-पोषण: एक अन्य मामले में अनावेदक आवेदिका को हर महीने 2,500 रुपये भरण-पोषण राशि देने पर सहमत हुआ। यह राशि सीधे आवेदिका के बैंक खाते में यूपीआई (UPI) के माध्यम से जमा की जाएगी।

- MBBS छात्राओं ने वापस ली शिकायत: डॉक्टर के खिलाफ शिकायत करने वाली एमबीबीएस छात्राओं ने लिखित में आवेदन प्रस्तुत कर आगे कोई कार्रवाई न चाहने का अनुरोध किया, जिसके आधार पर इस मामले को भी बंद कर दिया गया।

बस्तर के वनकोमार में ‘अमृत सरोवर’ ने बदली तस्वीर

जल संकट से मुक्ति के साथ ग्रामीणों को मिला आजीविका का नया सहारा



बकावंड जनता के गोठ।जल संरक्षण और ग्रामीण स्वावलंबन की दिशा में छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले ने एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है। जनपद पंचायत बकावंड के ग्राम पंचायत वनकोमार स्थित गोहनमुण्डा क्षेत्र में ‘मिशन अमृत सरोवर’ के तहत निर्मित नवीन तालाब आज ग्रामीणों के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं हो रहा है। कभी यह क्षेत्र भीषण जल संकट की मार झेल रहा था, जहाँ वर्षा जल संचयन की उचित व्यवस्था न होने से कुओं और हैंडपंपों का जलस्तर अत्यधिक गिर जाता था तथा कृषि एवं मवेशियों के लिए पानी की भारी क्लिष्ट बनी रहती थी। इस स्थानीय समस्या के समाधान और ग्रामीण अन्वयवस्था को संबल देने के उद्देश्य से यहाँ अमृत सरोवर निर्माण का योजना तैयार की गई थी।

क्रियान्वित इस परियोजना ने समयबद्धता और लागत प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत स्वीकृत 20 लाख रूपए की लागत वाली इस योजना को मात्र 16 लाख रूपए के वास्तविक व्यय से 13 मई 2025 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उन्हें गाँव में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। इसके साथ ही सरोवर के तटबंधों को सुदृढ़ बनाकर परिसर में छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए, जिससे पर्यावरण संरक्षण और परिसर का सौंदर्यीकरण भी सुनिश्चित हुआ।

आज लबालब भरा यह सरोवर केवल वर्षा जल के विशाल संचयन और भूजल स्तर को रिचार्ज करने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। मत्स्यपालन विभाग के सहयोग से सरोवर में रोहू, कतला और मृगल जैसी उन्नत प्रजातियों का मत्स्य बीज डालकर वैज्ञानिक पद्धति से मछलीपालन प्रारंभ किया गया है। इससे ग्राम पंचायत एवं महिला स्व-सहायता समूह को नितर अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है और स्थानीय स्तर पर टिकाऊ रोजगार मिलने से ग्रामीणों के मौसमी पलायन पर भी प्रभावी निराम लगा है। समीपस्थ कृषि भूमि में नमी बने रहने और सिंचाई सुविधा सुलभ होने से कृषि उत्पादन को नई मजबूती मिली है, जिससे कभी उपेक्षित और बंजर दिखने वाला यह क्षेत्र आज आत्मनिर्भरता और सामूहिक समृद्धि की नई इबारत लिख रहा है।

रामदेव पीर जयंती पर गुजराती समाज का भव्य समारोह, नवीन कार्यकारिणी का हुआ शपथ ग्रहण

कोरबा। डीडीएम रोड स्थित श्री गुजराती समाज भवन जलाराम मंदिर परिसर में श्री गुजराती समाज, कोरबा एवं श्री जलाराम सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में श्री रामदेव पीर जयंती समारोह अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर प्रदेश के वाणिज्य एवं उद्योग कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।उनके साथ आमंत्रित अतिथियों ने संत श्री जलाराम बापा,राम दरबार एवं श्री रामदेव पीर जी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की समृद्धि की कामना की।

नवीन कार्यकारिणी ने ली शपथ

जयंती समारोह के दौरान श्री गुजराती समाज की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज के संरक्षक धीरेन संघवी ने आगामी दो वर्षीय कार्यकाल के लिए सर्वसम्मति से निर्वाचित अध्यक्ष मनोज शर्मा को मंच पर आमंत्रित किया। अध्यक्ष मनोज शर्मा ने अपनी नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के नामों की घोषणा की, जिन्हें मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन ने पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि ने नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज शर्मा एवं उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए समाज की एकता, सेवा और प्रगति के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने की शुभकामनाएँ दीं।

समाज का योगदान

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा कि रामदेव पीर जयंती के अवसर पर नवनियुक्त कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समाज को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा।उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्य एक तरह से बेहद दुष्कर होता है क्योंकि सभी को साथ ले कर कार्य करना होगा।ऐसे में समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रशंसा के साथ साथ टिका टिप्पणी और आलोचना के लिए भी तैयार रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि नगर निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने कहा कि गुजराती समाज अपनी व्यापारिक कुशलता के साथ-साथ स्थानीय संस्कृति में रच-बसकर सामाजिक सेवा में अग्रगण्य रहता है। यही वजह है कि देश भर में गुजरात और गुजरातियों की एक विशेष पहचान है।

मगरगुड़ा में बच्चों ने मिट्टी से बनाई गणेश प्रतिमा, स्कूल परिसर में की पूजा

गांव में प्रतिमा स्थापित नहीं होने पर बच्चों ने खुद पहल कर मनाया गणेश उत्सव



बकावंड जनता के गोठ। विकासखंड बकावंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सतलावण्ड पारा के आश्रित ग्राम मगरगुड़ा में इस वर्ष गणेश उत्सव के दौरान बच्चों की अनूठी पहल देखने को मिली। गांव में कहीं भी गणेश प्रतिमा स्थापित नहीं होने पर प्राथमिक शाला मगरगुड़ा के नन्दे बच्चों ने स्वयं पहल करते हुए मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा तैयार की और स्कूल परिसर में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ पूजा-अर्चना की।

बच्चों ने अपने हाथों से मिट्टी की गणेश प्रतिमा तैयार करने के बाद स्कूल परिसर में पूजा-अर्चना,

आरती एवं प्रसाद वितरण किया। बच्चों की इस पहल और भक्ति को देखकर ग्रामीणों ने भी उनकी सराहना की। बच्चों ने अपनी मेहनत और रचनात्मकता के माध्यम से यह संदेश दिया कि आस्था के लिए भव्य पंडाल या अधिक खर्च जरूरी नहीं, बल्कि सच्ची श्रद्धा और सामूहिक भावना ही महत्वपूर्ण है।

इस आयोजन में स्कूल के शिक्षक श्री पटेल सर, शिक्षिका पुष्प लता मैडम एवं सप मित्र दुर्योधन

नाग ने बच्चों का सहयोग किया। शिक्षकों और सहयोगियों ने बच्चों के साथ पूजा-अर्चना एवं आरती में भाग लेकर उनका उत्साह बढ़ाया। बच्चों ने कहा, “हमारे गांव में गणेश जी की प्रतिमा नहीं थी, तो हमने सोचा कि हम खुद ही बप्पा को बनाएँगे।” बच्चों की इस पहल से ग्रामीणों में भी उत्साह और खुशी का माहौल बना। छोटे से गांव के इन बच्चों ने अपनी रचनात्मकता, संस्कार और भक्ति के माध्यम से गणेश उत्सव को विशेष बना दिया।

छोटे देवड़ा में गणेश उत्सव की धूम, सरपंच ने पंडाल पहुंचकर लिया आशीर्वाद

सार्वजनिक नव युवा समिति के आयोजन में शामिल हुए सरपंच संतोष कुमार कश्यप, ग्रामीणों और युवाओं में उत्साह



बकावंड जनता के गोठ। विकासखंड बकावंड के ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा के बड़ेपारा में सार्वजनिक नव युवा समिति द्वारा गणेश उत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। गणेश उत्सव को लेकर ग्रामीणों एवं युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तथा प्रतिदिन श्रद्धालु भगवान श्री गणेश के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। बुधवार को ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा के सरपंच संतोष कुमार कश्यप गणेश पंडाल पहुंचे। उन्होंने

भगवान श्री गणेश के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने सार्वजनिक नव युवा समिति के सदस्यों से मुलाकात कर आयोजन की जानकारी ली तथा गणेश उत्सव की शुभकामनाएं दीं। सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने समिति के सदस्यों एवं युवाओं को उत्सव के सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि धार्मिक एवं

सांस्कृतिक आयोजनों से ग्रामीणों में आपसी भाईचारा और सामाजिक एकता मजबूत होती है। उन्होंने सभी से उत्सव को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की।

इस अवसर पर सार्वजनिक नव युवा समिति के अध्यक्ष सहित समिति के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। उत्सव को लेकर गांव में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

गणेशोत्सव में ग्रामीणों के बीच पहुंचीं शंकुतला कश्यप, एक-एक कर सुनीं समस्याएं

खैरगुड़ा में शेड-सामुदायिक भवन, मांझीपारा में सांस्कृतिक भवन व निर्मला घाट की मांग

बकावंड जनता के गोठ। गणेशोत्सव के अवसर पर जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 05 की सदस्य शंकुतला कश्यप ने कुड़गुड़ा, खैरगुड़ा, मधोता और मांझीपारा पहुंचकर गणेशोत्सव में शामिल हुईं। उन्होंने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की शुभ-समृद्धि की कामना की। इस दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं और गांव की जरूरतें एक-एक कर सुनीं।

खैरगुड़ा गणेशोत्सव समिति के सदस्यों ने शेड एवं सामुदायिक भवन निर्माण की मांग रखी। वहीं मधोता मांझीपारा गणेशोत्सव समिति ने गणेश मंडली के लिए सांस्कृतिक भवन की मांग की। महिलाओं ने नदी किनारे निर्मला घाट निर्माण की मांग रखते हुए बताया कि तीजा सहित अन्य धार्मिक अवसरों पर पूजा-अर्चना और स्नान के लिए व्यवस्थित घाट नहीं होने से परेशानी होती है।

शंकुतला कश्यप ने ग्रामीणों की सभी मांगों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए उन्हें शासन-प्रशासन तक पहुंचाने तथा आवश्यक पहल का आश्वासन

दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत जरूरतों और विकास से जुड़े विषयों को संबंधित स्तर पर रखा जाएगा।

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी और पात्र परिवारों से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। संपत्ति कर को लेकर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पंचायत को प्राप्त राजस्व स्थानीय



विकास कार्यों और पंचायत की आवश्यक सेवाओं में उपयोग हो सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से संपत्ति कर से संबंधित नियम, राशि और उसके उपयोग को लेकर किसी भी भ्रम से बचने तथा पंचायत एवं संबंधित विभाग से आधिकारिक जानकारी प्राप्त करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं और पंचायत से जुड़ी सुनकर उनके समाधान के लिए

सही जानकारी पहुंचना जरूरी है, ताकि लोग तथ्यों के आधार पर अपनी राय बना सकें और पंचायत के विकास में सहभागी बनें।

ग्रामीणों के बीच सहज पहुंच बनी पहचान

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 05 की सदस्य शंकुतला कश्यप ग्रामीणों के बीच सहज पहुंच और सक्रिय जनसंपर्क के लिए जानी जाती हैं। लोगों की छोटी-बड़ी समस्याओं को

हरसंभव प्रयास करना उनकी कार्यशैली का हिस्सा है। क्षेत्र के विभिन्न वर्गों के लोगों से नियमित संवाद के साथ वे सुख-दुख के अवसरों में भी ग्रामीणों के बीच शामिल होती हैं। उनकी लगातार उपलब्धता और ग्रामीणों से सीधे संवाद के कारण क्षेत्र में उनकी जनसंपर्क की पहचान बनी हुई है।

गणेशोत्सव के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और मांगें खुलकर उनके सामने रखीं।

इस अवसर पर भाजपा मंडल बस्तर महामंत्री चमर राम यादव,भाजपा मंडल बस्तर सोशल मीडिया सदस्य मनोज कुमार ठाकुर, लक्ष्मण मांझी ,नरेश ठाकुर, केशो, दिनेश, त्रिनाथ, परसू मांझी, राजेश ठाकुर, सुखराम यादव, लोकनाथ, भरतकु, बलदेव, हरदेव, तुलाराम, अमल, उपेन्द्र, सोनसाय, सोमनाथ, मुली सहित गणेशोत्सव समितियों के पदाधिकारी, महिलाएं, ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भाजपा मंडल बस्तर महामंत्री चमर राम यादव,भाजपा मंडल बस्तर सोशल मीडिया सदस्य मनोज कुमार ठाकुर, लक्ष्मण मांझी ,नरेश ठाकुर, केशो, दिनेश, त्रिनाथ, परसू मांझी, राजेश ठाकुर, सुखराम यादव, लोकनाथ, भरतकु, बलदेव, हरदेव, तुलाराम, अमल, उपेन्द्र, सोनसाय, सोमनाथ, मुली सहित गणेशोत्सव समितियों के पदाधिकारी, महिलाएं, ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खबर-खास

PMAY (शहरी) 2.0: रायपुर को 5.56 करोड़ की सौगात, बांसटाल और अमलीडीह में बनेंगे गरीबों के लिए 100 किफायती मकान

जनता के गोठ –रायपुर, 23 सितंबर: केंद्र सरकार की ‘प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0’ के तहत रायपुर नगर निगम क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। योजना की केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (CSMC) ने शहर में भागीदार आधारित किफायती आवास (AHP) की दो प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। १5.56 करोड़ की कुल लागत से बनेने वाले इन 100 मकानों से स्लम पुनर्वास और कमजोर आय वर्ग के परिवारों का अपने पक्के मकान का सपना पूरा होगा।

दोनों परियोजनाओं का विवरण एवं वित्तीय ढांचा- नगर निगम रायपुर के अंतर्गत स्वीकृत इन दोनों परियोजनाओं के लिए केंद्र, राज्य और हितग्राहियों का अंशदान तय कर दिया गया है: विवरण बांसटाल स्वीपर कॉलोनी अमलीडीह परियोजना लक्ष्य स्लम पुनर्वास (40 आवास) कमजोर आय वर्ग (60 आवास)

कुल लागत	2.11 करोड़	3.45 करोड़
केंद्रांश	1.50 लाख/आवास (कुल 60 लाख)	1 . 5 0 लाख/आवास (कुल 90 लाख)
राज्यांश	2.33 लाख/आवास (कुल 93 लाख)	1 . 0 0 लाख/आवास (कुल 60 लाख)
हितग्राही अंश	1.45 लाख/आवास (कुल 58 लाख)	3.45 लाख/आवास (कुल 1.95 करोड़)

36 महीने में काम पूरा करने के निर्देश, दिव्यांगों व बुजुर्गों को प्राथमिकता

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने स्वीकृत परियोजनाओं को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए हैं-

– समय-सीमा: स्वीकृति तिथि से अगले 36 महीनों के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

– पारदर्शी आवंटन: आवासों का आवंटन पूरी तरह से पारदर्शी प्रक्रिया के जरिए किया जाएगा।

– विशेष प्राथमिकता: दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए उन्हें भूतल (बटथ्रूड्रूम स्रद्यथभूद) या निचले तलों पर प्राथमिकता के आधार पर मकान आवंटित किए जाएंगे।

जेल भेजने की धमकी देकर युवक से एंट्रे पांच हजार: कोरबा पुलिस के आरक्षक पर लगा वसूली का आरोप, एसपी ने दिए जांच के आदेश

कोरबा। ट्रैक्टर में बांस की बल्ली लेकर जा रहे युवक को रोककर खुद को पुलिस कर्मी बताते और जेल भेजने की धमकी देकर पांच हजार रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सिविल ड्रेस में आए दो लोगों ने युवक को बिना परमिट बांस ले जाने के मामले में कार्रवाई का डर दिखाया और उससे आनलाइन पांच हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए।

पीड़ित ने मामले की शिकायत कोरबा एसपी से की है। शिकायत में रजगामर चौकी में पदस्थ एक आरक्षक पर भी आरोप लगाया गया है। मामला बालको थाना क्षेत्र की रजगामार चौकी का है। गोड्डा निवासी योगेंद्र कुमार ने शिकायत में कहा है कि वह ट्रैक्टर में बांस की बल्ली लेकर जा रहा था।

इसी दौरान सिविल ड्रेस में दो लोगों ने उसका ट्रैक्टर रकवाया। दोनों ने खुद को रजगामार चौकी में पदस्थ पुलिसकर्मी बताया। उन्होंने युवक से बांस ले जाने का परमिट मांगा और परमिट नहीं होने पर जेल भेजने की धमकी दी। इसके बाद उससे रुपये की मांग की गई।

युवक का आरोप है कि कार्रवाई और जेल भेजने की धमकी से वह डर गया। इसके बाद उसने आनलाइन पांच हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। रुपये मिलने के बाद उसे जाने दिया गया। घटना के बाद योगेंद्र कुमार ने एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत की और संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि रजगामार चौकी में पदस्थ आरक्षक के खिलाफ वसूली की शिकायत एसपी कार्यालय में प्राप्त हुई है। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

एसईसीएल कर्मी को बजाज से लोन दिलाने के नाम पर 7 लाख की ठगी

कोरबा। बजाज फ़इनेंस से लोन दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने एसईसीएल कर्मी को पहले भरोसे में लिया और फिर लोन की प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर अलग-अलग किस्तों में रकम जमा कराते रहे। लोन मिलने की उम्मीद में एसईसीएल कर्मी भी उनके बताए अनुसार राशि जमा करते रहे। जब करीब सात लाख रुपये लेने के बाद भी लोन नहीं मिला और आरोपित लगातार टालमटोल करने लगे, तब ठगी का पता चला। मामला दीपका विस्तार परियोजना में पदस्थ एसईसीएल कर्मी ज्ञान जायसवाल से जुड़ा है। आरोपितों ने फ़ैन पर बजाज फ़इनेंस से लोन दिलाने की बात कही। इसके बाद लोन स्वीकृत और प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर अलग-अलग समय में रकम जमा करने के लिए कहा गया। पीड़ित ने आरोपितों के बताए अनुसार राशि जमा कर दी। हर बार यह भरोसा दिलाया जाता रहा कि प्रक्रिया पूरी होते ही लोन की रकम मिल जाएगी।

इसी झांसे में रकम बढ़ती गई और करीब सात लाख रुपये जमा हो गए। इसके बाद भी जब लोन नहीं मिला तो पीड़ित ने संपर्क किया। आरोपितों की ओर से टालमटोल किए जाने पर उन्हें अपने साथ हुई धोखाधड़ी का अहसास हुआ। शिकायत के बाद साइबर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाने के लिए साइबर टीम दीपका पहुंची।

निरीक्षक ललित चंद्रा, अजय सोनवानी सहित टीम के सदस्यों ने प्रार्थी ज्ञान जायसवाल के घर पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी ली। टीम ने मोबाइल फ़ोन, आरोपितों से हुई बातचीत और रकम के लेनदेन से संबंधित जानकारी जुटाई। साइबर निरीक्षक ललित चंद्रा ने लोगों से लोन दिलाने के नाम पर फ़ैन करने वाले अनजान लोगों से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोन स्वीकृति या प्रक्रिया के नाम पर किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर रकम जमा नहीं करनी चाहिए। ओटीपी, पिन, पासवर्ड और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी भी साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत करने की अपील की गई है।

पुलिस अब उन मोबाइल नंबरों और बैंक खातों की जांच कर रही है, जिनका इस्तेमाल ठगी के दौरान किया गया। सात लाख रुपये की रकम किन खातों में गई और उसके बाद कहा-कहां हस्तांतरित हुई, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। डिजिटल लेनदेन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान: अंबागढ़ चौकी में 61 लोगों ने किया रक्तदान, 5 ने लिया अंगदान का संकल्प

रायपुर/अंबागढ़ चौकी, 23 सितंबर 2026: मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंबागढ़ चौकी में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत एक विशाल रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। जनसेवा और स्वास्थ्य जागरूकता को समर्पित इस शिविर में स्थानीय नागरिकों ने बड़े पैमाने पर भाग लेते हुए सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल पेश की।

रक्तदाताओं का हेलमेट और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान

शिविर के दौरान कुल 61 नागरिकों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर

मानव सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। सड़क सुरक्षा और जनस्वास्थ्य को एक साथ जोड़ते हुए, रक्तदाताओं के उत्साहवर्धन हेतु उन्हें हेलमेट तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम एवं जनप्रतिनिधि श्री दिलीप वर्मा द्वारा प्रदान किया गया।

5 लोगों ने लिया अंगदान का पुनीत संकल्प

अंगदान के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित इस गतिविधि में 5 व्यक्तियों ने औपचारिक संकल्प-



पत्र भरकर अंगदान का संकल्प लिया। इस महादान की पहल को प्रोत्साहित करने के लिए कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने सभी संकल्पकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र

देकर सम्मानित किया और उनके निर्णय की सराहना की।

353 लोगों की बीपी-शुगर जांच, 110 आयुष्मान कार्ड वितरित

शिविर के माध्यम से आमजन को व्यापक चिकित्सीय सुविधाओं का लाभ भी मिला:

– स्वास्थ्य परीक्षण: शिविर में आए 353 लोगों के रक्तचाप

(BP) एवं ब्लड शुगर की मुफ्त जांच की गई और आवश्यकतानुसार डॉक्टरों परामर्श प्रदान किया गया। – आयुष्मान भारत योजना: पात्र हितग्राहियों को मुफ्त व गुणवत्तापूर्ण इलाज से जोड़ने के उद्देश्य से 110 आयुष्मान कार्डों का वितरण किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंबागढ़ चौकी में आयोजित यह शिविर सेवा संकल्प अभियान के तहत जनसेवा, जीवन रक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक अत्यंत सफल पहल साबित हुआ, जिसमें नागरिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने बढ़ते सामाजिक दायित्व को प्रदर्शित किया।

कोतरा रोड से ढिमरापुर मार्ग तक नो-एंट्री में भारी वाहन एंट्री होना बंद हो – रिंकी पांडे

यातायात विभाग की मिलीभगत से प्रतिबंधित समय में भारी वाहनों का प्रवेशआम नागरिकों की सुरक्षा से खिलवाड़ है



रायगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी रायगढ़ की प्रवक्ता रिंकी पांडे ने कोतरा रोड से ढिमरापुर चौराहे तक शहर के व्यस्त मार्ग पर नो-एंट्री व्यवस्था के बावजूद भारी वाहनों के आवागमन को लेकर प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से पुलिस प्रशासन से इस पर विरोध जताया व कहा कि लगातार प्रतिबंधित समय में भारी वाहनों का इस रोड में प्रवेश होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। यह स्थिति आम नागरिकों, दोपहिया वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। हाल ही में कोतरा रोड क्षेत्र में नो-एंट्री के दौरान भारी वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत की घटना भी सामने आई थी। ऐसी घटनाओं के बाद यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। सवाल यह

सीसीटीवी/कैमरों की प्रभावी मॉनिटरिंग तथा नियम तोड़ने वाले वाहनों पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि कोतरा रोड/झुड्ढिमरापुर मार्ग पर नो-एंट्री का कड़ाई से पालन कराया जाए।

प्रतिबंधित समय में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों पर नियमित चालानी कार्रवाई हो।

संबेदनशील स्थानों पर यातायात पुलिस की तैनाती और निगरानी बढ़ाई जाए।

सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक सुधार किए जाएं।

महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने किया ‘सखी वन स्टॉप सेंटर’ दुर्ग का निरीक्षण; दिए त्वरित एवं संवेदनशील सहायता के निर्देश



जनता के गोठ दुर्ग / रायपुर: छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने दुर्ग स्थित ‘सखी वन स्टॉप सेंटर’ का औचक निरीक्षण कर वहीं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सेंटर में संकटग्रस्त महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को पीड़ित महिलाओं को त्वरित एवं संवेदनशील सहायता प्रदान करने के कड़े निर्देश दिए।

सुविधाओं का लिया जायजा निरीक्षण के दौरान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने सखी सेंटर में दी जा रही निम्नलिखित सेवाओं की समीक्षा की: - आश्रय एवं सुरक्षा: महिलाओं और बालिकाओं के लिए अस्थायी भवना की व्यवस्था। - परामर्श एवं विधिक सहायता: मानसिक संबल प्रदान करने हेतु काउंसलिंग और कानूनी मदद। - चिकित्सा व पुलिस सहायता: आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल और त्वरित पुलिस सहयोग। - सूश्री प्रीतिबाला शर्मा (संरक्षण अधिकारी) - श्रीमती हेमलता वर्मा (केस वर्कर) - पैरामेडिकल स्टाफ एवं सखी सेंटर के अन्य अधिकारी-कर्मचारी।

दुर्ग - 24 घंटे में नवविवाहिता की मौत का खुलासा , आरोपी पति गिरफ्तार

चरित्र पर संदेह और घरेलू विवाद में की थी हत्या , बीमारी बताकर अस्पताल ले गया था आरोपी ।

अंचल वर्मा - दुर्ग, उत्तराई।

जनता के गोठ



दुर्ग - धमधा थाना क्षेत्र के ग्राम अगर में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करने का दावा किया है। शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत हत्या जनित (होमिसाइडल) बताए जाने के बाद पुलिस ने जांच को हत्या के एंगल से आगे बढ़ाया। पूछताछ में मृतिका के पति त्रिलोक खांडे (26) पर घरेलू विवाद और पत्नी के चरित्र पर संदेह के चलते हत्या करने का आरोप सामने आया है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस के अनुसार, 20 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा से नवविवाहिता अन्नू खांडे , पति त्रिलोक खांडे की अज्ञात अवस्था में मौत की सूचना मिली थी। नवविवाहिता की मौत होने के कारण अनुविभागीय दंडाधिकारी को सूचना दी गई। नायब तहसीलदार की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई के दौरान मृतिका के सिर पर चोट के निशान पाए गए।

इसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। चिकित्सक की शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु को होमिसाइडल बताया गया। इसके बाद पुलिस ने मृतिका के परिजनों सहित

दबाया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस का कहना है कि घटना के बाद हत्या की बात छिपाने और मौत को सामान्य बीमारी से हुई मौत बताने के उद्देश्य से आरोपी मृतिका को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा लेकर पहुंचा। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा

शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनाक्रम और परिजनों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने पति को संदेह के दायरे में लेकर पूछताछ की। पूछताछ एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अपराध में सलिप्तता पाए जाने पर त्रिलोक खांडे, निवासी ग्राम अगर, थाना धमधा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को देने के बाद आरोपी को न्यायालय में रिमांड के लिए पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार, मामले की विवेचना जारी है और प्रकरण में प्राप्त एवं जब्त सामग्री का विवरण विवेचना के अनुसार दर्ज किया जाएगा। आरोपी की गिरफ्तारी और मामले के त्वरित खुलासे में थाना धमधा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि परिवारिक विवाद या हिंसा की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें तथा किसी घटना को छिपाने या गलत जानकारी देकर वास्तविक तथ्य बदलने का प्रयास न करें।

दुर्ग जेल में प्रदेश की पहली खुली जेल की शुरुआत , 50 बंदियों को मिलेगा लाभ

डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने किया ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन का शुभारंभ, सजा के साथ सुधार और पुनर्वास पर जोर



अंचल वर्मा - दुर्ग, उत्तराई। जनता के गोठ। छत्तीसगढ़ में जेल सुधार और बंदियों के पुनर्वास की दिशा में एक नई पहल शुरू हुई है। केंद्रीय जेल दुर्ग में प्रदेश की पहली ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन (ओसीआई) यानी खुली जेल का मंगलवार को शुभारंभ किया गया। डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक मनीष संभाकर सहित जेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और बंदी मौजूद रहे।

जेल अधीक्षक मनीष संभाकर ने बताया कि केंद्रीय जेल दुर्ग में उपलब्ध मौजूदा अधीसंरचना का उपयोग करते हुए ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन की शुरुआत की गई है। इसमें फिस्तहाल 50 चयनित बंदियों को रखा जाएगा।- ये बंदी सुबह जेल परिसर से बाहर जाकर विभिन्न कार्यों में शामिल होंगे और दिनभर कार्य करने के बाद शाम को निर्धारित समय पर वापस जेल लौटेंगे। लॉकअप की प्रक्रिया शुरू होने से पहले सभी बंदियों को जेल में वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

चारदीवारी से बाहर काम, जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता का अवसर- ओपन जेल की व्यवस्था का उद्देश्य बंदियों को जेल की चारदीवारी से बाहर निकलकर काम करने, जिम्मेदारी निभाने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर देना है। इसके माध्यम से बंदियों में अनुशासन

और कार्यकुशलता विकसित करने के साथ उन्हें समाज की मुख्यधारा में पुनर्वास के लिए तैयार करने पर जोर दिया जाएगा। जेल अधीक्षक के अनुसार, यह व्यवस्था सुधारात्मक प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसमें बंदियों को नियंत्रित वातावरण में काम करने का अवसर मिलेगा, जबकि निर्धारित नियमों के तहत शाम को उनकी जेल में वापसी सुनिश्चित होगी। शासन की अधिसूचना के अगले दिन ही शुरू हुई व्यवस्था ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन शुरू करने के संबंध में छत्तीसगढ़ शासन ने 21 सितंबर को अधिसूचना जारी की थी।

इसके अगले ही दिन, 22 सितंबर को केंद्रीय जेल दुर्ग में प्रदेश की पहली खुली जेल का शुभारंभ कर दिया गया। जेल सुधार के क्षेत्र में इसे राज्य में एक नई व्यवस्था की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां सजा के साथ-साथ बंदियों के सुधार, कौशल विकास और पुनर्वास पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

पीएम श्री करपावंड में हुआ पालक शिक्षक बैठक

समर कैंप सहित छात्रों की नियमित उपस्थिति और शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ

शासन के निर्देशानुसार पीएम श्री स्वामी आत्मानंद हिंदी अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करपावंड में पालक शिक्षक क ज़रू का आयोजन किया गया । जिसमें छात्रों की लगातार अनुपस्थित पालकों की निरस्ता एवं समर कैंप आयोजन के संबंध में चर्चा किया गया ।

इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य श्री दशमत कुमार कश्यप ने कहा कि बच्चों के लगातार अनुपस्थित रहना उस दिन की पढ़ाए हुए विषयों पर जानकारी



नहीं होने के कारण किसी भी प्रकार की चर्चा नहीं हो पाती है । पालक समय-समय पर स्कूल में आकर बच्चों की रिपोर्ट कार्ड को देखें । जानकारी प्राप्त करें किस विषय में कम मार्क हैं, विषय शिक्षकों से चर्चा करें । स्कूल मैसेज को अवश्य देखें (। क्लरू) में शत-प्रतिशत उपस्थित होना आवश्यक है । सभी पालक स्कूल बेहतर संचालक के लिए

सुझाव देंगे । बच्चों को स्कूल समय में सामाजिक कार्य एवं घरेलू कार्य में संलग्न नहीं करेंगे । बाहर घूमने के लिए नहीं ले जाएंगे । ग्रीष्मकालीन अवकाश में शासन के निर्देशानुसार समर कैंप का आयोजन किया जाता है । जिसमें विभिन्न विधाएं सिखाई जाती हैं । बच्चों को स्कूल समर कैंप में अवश्य भेजेंगे । नए शिक्षा सत्र 16 जून से प्रारंभ होती

है उसी दिन से ही स्कूल जरूर भेजेंगे । क्योंकि बच्चों को पढ़ने के लिए सिलेबस होती है उस सिलेबस के अनुसार क्लास में पढ़ाई होती है ।

जिससे आपके बच्चों का पढ़ाई प्रभावित न हो इसीलिए आप स्कूल जरूर भेजें । पालक शिक्षक बैठक जब भी आयोजित होती है कम से कम एक दिन के लिए 2 घंटा का

समय अवश्य निकालें । विषय शिक्षकों से चर्चा करें जब तक चर्चा नहीं करेंगे तो आपके बच्चे की स्तर के बारे में जान नहीं सकेंगे । इसीलिए चर्चा करना आवश्यक है । प्राथमिक क्लास में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । प्राथमिक क्लास की नीव है ,इसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है । इस वर्ष नर्सरी क्लास भी प्रारंभ किया गया है नर्सरी में पालक को घर में ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है । इस अवसर पर संस्था के उपप्राचार्य श्रीमती कविता साहू मिडिल हेड मास्टर श्रीमती रश्मि त्रिपाठी हेड मास्टर प्राथमिक सुश्री दिव्या शुक्ला व्याख्याता श्रीमती निहारिका ठाकुर व्याख्याता श्री आंबिका प्रसाद वर्मा ने समर कैंप एवं पीएम श्री योजना के बारे में जानकारी दिया ।

खबर-खास

जशपुर में पुलिस की मिसाल: तेरहवीं के दिन ही दिवंगत आरक्षक के बेटे को मिला अनुकंपा नियुक्ति पत्र, घर पहुंचे डीआईजी



जशपुर, 23 सितंबर: जशपुर पुलिस ने विभागीय संवेदनशीलता और तत्परता की एक अनूठी मिसाल पेश की है। एसडीओपी कार्यालय जशपुर में पदस्थ रहे दिवंगत आरक्षक स्व. देव नारायण सिंह की तेरहवीं के अवसर पर उनके पुत्र बोनी प्रसाद सिंह को आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति का पत्र सौंपा गया। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) डॉ. लाल उमेद सिंह स्वयं दिवंगत आरक्षक के गृह ग्राम पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें यह नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

बीमारी के कारण हुआ था निधन

एसडीओपी कार्यालय जशपुर में पदस्थ आरक्षक देव नारायण सिंह का स्वास्थ्य खराब होने के बाद उन्हें उपचार के लिए बालाजी अस्पताल, रायपुर में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान 11 सितंबर 2026 को उनका निधन हो गया था।

स्व. देव नारायण सिंह वर्ष 2007 में जिला पुलिस बल जशपुर में आरक्षक के पद पर भर्ती हुए थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने रक्षित केंद्र जशपुर, थाना सत्रा, सिटी कोतवाली जशपुर, एसडीओपी कार्यालय कुनकुरी तथा एसडीओपी कार्यालय जशपुर में निष्ठापूर्वक सेवाएं दीं।

त्वरित कार्रवाई कर प्राथमिकता से पूरी की गई प्रक्रिया

आरक्षक के निधन की सूचना मिलते ही पुलिस कप्तान डॉ. लाल उमेद सिंह ने परिवार की आर्थिक स्थिति और भविष्य को ध्यान में रखते हुए अनुकंपा नियुक्ति से जुड़ी तमाम औपचारिकताओं को प्राथमिकता के साथ तेजी से पूरा कराया। कागजी कार्रवाई पूर्ण होते ही तेरहवीं के दिन 23 सितंबर को डॉ. सिंह स्वयं शोकाकुल परिवार के बीच पहुंचे। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवार को संबल देते हुए उनके पुत्र बोनी प्रसाद सिंह को आरक्षक पद का नियुक्ति पत्र सौंपा।

दुख की घड़ी में पूरा पुलिस परिवार साथ-: डीआईजी

इस भावुक क्षण में डीआईजी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा: पुलिस विभाग में सेवा देने वाला प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी जशपुर पुलिस परिवार का अभिन्न हिस्सा है। किसी साथी के असमय चले जाने से परिवार पर जो संकट आता है, उस दुख की घड़ी में पूरा विभाग उनके साथ मजबूती से खड़ा है। भविष्य में भी परिवार को किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर हर संभव सहायता दी जाएगी।-

उपरिस्थिति इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार पाटनवार, एसडीओपी निमितेश सिंह, डीएसपी कुंज राम चौहान, डीएसपी भावेश कुमार समरथ, डीएसपी शुभम कुमार तिवारी, डीएसपी आशा तिकी, रक्षित निरीक्षक अमरजीत खूटे, लोदाम थाना प्रभारी कुष्ण कुमार साहू सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिल्ली में इलाज के बाद रायपुर लौटे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव: विमानतल पर भव्य स्वागत, बोले- 'कार्यकर्ताओं का सेह ही मेरी सबसे बड़ी ताकत'



रायपुर, 23 सितंबर: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव दिल्ली में उपचार कराने के बाद दो महीने बाद रायपुर लौटे। रायपुर विमानतल पर भाजपा पदाधिकारियों, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के कार्यकर्ताओं द्वारा उनका ढोल-नगाड़ों और आत्मीयता के साथ भव्य स्वागत किया गया।

कार्यकर्ताओं का जताया आभार, बताया आगामी प्लान

रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा:

पार्टी परिवार के प्रत्येक कार्यकर्ता ने जो प्रेम, स्नेह और विश्वास दिया है, वही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। न केवल कार्यकर्ताओं ने, बल्कि प्रदेश की जनता और अन्य राजनीतिक दलों के लोगों ने भी अपनी शुभकामनाएं भेजीं, जिसके लिए मैं सभी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

उन्होंने अपने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि वे अगले 10 दिनों तक रायपुर में रहकर फिजियोथेरेपी का कोर्स पूरा करेंगे। इसके बाद वे दत्तेवाड़ा जाकर माँ दत्तेश्वरी के दर्शन करेंगे, जगदलपुर जाएंगे और तत्पश्चात पूरे छत्तीसगढ़ का विस्तृत संगठनात्मक प्रवास शुरू करेंगे।

नए प्रदेश प्रभारी और सह-प्रभारी को दी बधाई

किरण देव ने स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ भाजपा का प्रदेश प्रभारी तथा सिद्धार्थ शंभू को सह-प्रभारी नियुक्त किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दोनों नेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में लिए गए इस निर्णय से संगठन को नया बल मिलेगा। स्मृति ईरानी के लंबे प्रशासनिक व संगठनात्मक अनुभव का लाभ प्रदेश को मिलेगा, वहीं सह-प्रभारी सिद्धार्थ शंभू का मार्गदर्शन संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा।

वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता रहे मौजूद

एयरपोर्ट पर स्वागत के दौरान युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, अनुसूचित जाति/जनजाति मोर्चा तथा अल्पसंख्यक मोर्चा सहित सभी प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कंडेय सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

चंपारण्य को 73.42 करोड़ रुपये के ‘वल्लभाचार्य स्टैच्यू कॉम्प्लेक्स’ की सौगात

--- जनता के गोठ

रायपुर, 23 सितंबर: महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य जी की प्राकट्य स्थली और वैष्णव समाज की आस्था के प्रमुख केंद्र चंपारण्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने जा रही है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (छस्स्ठ) ने चंपारण्य (राजिम के समीप) में लगभग 73.42 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले ‘वल्लभाचार्य स्टैच्यू कॉम्प्लेक्स’ को अंतिम मंजूरी दे दी है।

रायपुर लोकसभा क्षेत्र को मिली इस बड़ी उपलब्धि पर क्षेत्रीय सांसद बृजमोहन अग्रवाल जी की एक विशाल नरेंद्र मोदी और केंद्रीय पर्यटन मंत्री

गजेंद्र सिंह शेखावत का आभार व्यक्त किया है।

15 एकड़ में आकार लेगा भव्य प्रोजेक्ट: प्रमुख आकर्षण

लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जाने वाले इस महत्वाकांक्षी कॉम्प्लेक्स में महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के जीवन, दर्शन और पुष्टिमार्गीय परंपरा को आधुनिक स्थापत्य कला के साथ सहेजा जाएगा। प्रोजेक्ट में निम्नलिखित सुविधाएं शामिल होंगी:

- भव्य प्रतिमा एवं परिक्रमा पथ: महाप्रभु जी की एक विशाल प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिसके

चारों ओर सुसज्जित परिक्रमा पथ का निर्माण होगा।

- अध्यात्म और ज्ञान केंद्र: श्रद्धालुओं और शोधकर्ताओं के लिए ध्यान केंद्र (Meditation Center) और व्याख्या केंद्र (Interpretation Center) बनाए जाएंगे।

- पर्यटन व जनसुविधाएं: प्राकृतिक आकर्षण बढ़ाने के लिए लेक फ्रंट और पर्यटकों की सहूलियत के लिए आधुनिक जनसुविधाएं विकसित की जाएंगी।

पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

ग्राहक की शिकायत पर डोमिनोज सेंटर में खाद्य विभाग की जांच, वेज-नॉनवेज के लिए एक ही किचन और फ्रीजर मिलने पर लाइसेंस सस्पेंड

श्यामबिहारी द्विवेदी, दमोह: मध्यप्रदेश के दमोह जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने ग्राहक की शिकायत के बाद शहर में संचालित डोमिनोज पिज्जा सेंटर का निरीक्षण कर कार्रवाई की है। सोमवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सेंटर पहुंचकर किचन और खाद्य पदार्थों की व्यवस्था की जांच की। इस दौरान विभाग की टीम को वेज और नॉनवेज खाद्य पदार्थों को तैयार करने, रखने और पैक करने को लेकर कई खामियां मिलीं। कार्रवाई के बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने सेंटर का लाइसेंस एक सप्ताह के लिए सस्पेंड कर दिया है। साथ ही प्रबंधन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

वेज की जगह नॉनवेज पिज्जा डिलीवर करने की शिकायत

खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया के अनुसार, 12 सितंबर को एक ग्राहक ने खाद्य विभाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ग्राहक द्वारा वेज पिज्जा ऑर्डर



किए जाने के बावजूद उसे नॉनवेज पिज्जा डिलीवर किया गया। ग्राहक ने पिज्जा से अजीब तरह की दुर्गंध आने की बात भी शिकायत में कही थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सोमवार को डोमिनोज पिज्जा सेंटर का निरीक्षण किया। टीम ने सेंटर के किचन, खाद्य पदार्थों के भंडारण और पैकिंग व्यवस्था का जायजा लिया।

एक ही किचन, फ्रीजर और ओवन में तैयार हो रहा था वेज-नॉनवेज फूड

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की

टीम को सेंटर में वेज और नॉनवेज खाद्य पदार्थों को लेकर कई कमियां मिलीं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक दोनों के आधार पर आगे की कार्रवाइ को किए जा रहे थे। इसके अलावा वेज और नॉनवेज खाद्य पदार्थों को रखने के लिए एक ही फ्रीजर का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी सामने आई। दोनों तरह के खाद्य पदार्थों को तैयार करने के लिए एक ही ओवन का इस्तेमाल किए जाने की बात भी निरीक्षण में सामने आई। इतना ही नहीं,

हिंसा छोड़ विकास की राह पर बस्तर: पर्यटन, होमस्टे और कनेक्टिविटी से बदल रही क्षेत्र की तस्वीर

--- जनता के गोठ

रायपुर, 23 सितंबर 2026 — कभी नक्सलवाद और हिंसा के संदर्भ में पहचाना जाने वाला बस्तर अब प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और इको-टूरिज्म के बल पर देश का नया पर्यटन केंद्र बनकर उभर रहा है। ‘बस्तर 2.0’ ब्लूप्रिंट और ‘छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30’ के जरिए बुनियादी ढांचे के विकास, स्थानीय रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व गति दी जा रही है।

बुनियादी ढांचे में सुधार: ‘बस्तर 2.0’ और हवाई संपर्क- पर्यटन के विस्तार के लिए बस्तर में सड़क, रेल और हवाई संपर्क को तेजी से मजबूत किया जा रहा है: - सड़क एवं पुल निर्माण: दूरस्थ क्षेत्रों को जोड़ने के लिए ‘बस्तर 2.0’ योजना के तहत 228 नई सड़कों और 267 पुलों का निर्माण प्रस्तावित है। - हवाई व रेल सेवा: जगदलपुर स्थित मां दत्तेश्वरी एयरपोर्ट से रायपुर और हैदराबाद के लिए नियमित उड़ानें उपलब्ध हैं। वहीं, भविष्य की कनेक्टिविटी के लिए रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना पर काम जारी है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल: होमस्टे नीति 2025-30 पर्यटन का आर्थिक लाभ सीधे स्थानीय परिवारों तक पहुंचाने के उद्देश्य से होमस्टे मॉडल को बढ़ावा दिया जा रहा है:



- वित्तीय प्रोत्साहन: नए कमरे के निर्माण पर प्रति कमरा 1 लाख रुपये और पुराने कमरे के नवीनीकरण पर 50 हजार रुपये की सहायता राशि का प्रावधान है (न्यूनतम 1 से अधिकतम 9 कमरे)। - वर्तमान स्थिति: 85 हिताग्राहियों के अनुदान प्रस्ताव बैंकों को भेजे जा चुके हैं, जबकि 27 होमस्टे पहले से छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड में पंजीकृत हैं।

अंतरराष्ट्रीय पहचान: धुडुमारास और एडवेंचर टूरिज्म- यूएन टूरिज्म चयन: बस्तर के धुडुमारास गांव का चयन ‘यूएन टूरिज्म बेस्ट टूरिज्म विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम’ के लिए किया गया है। - नए आकर्षण: साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र में ग्लास ब्रिज, कैनोपी वॉक और कैनोइंग जैसी आधुनिक सुविधाओं की योजना तैयार की गई है।

है।

संस्कृति और ‘बस्तर पांडुम 2026’ बस्तर की बेलमेटल, काष्ठ कला और हस्तशिल्प को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल रही है। हाल ही में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति में आयोजित ‘बस्तर पांडुम 2026’ में 12 जनजातीय विधाओं का प्रदर्शन किया गया, जिसमें 55 हजार से अधिक आदिवासियों ने भाग लिया।

स्थानीय युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण- पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था से गाइड, ड्राइवर, हस्तशिल्प विक्रेता और लोक कलाकारों को सीधे आय के अवसर मिल रहे हैं। रोडमैप के तहत हाल ही में 45 स्थानीय युवाओं को पर्यटन प्रबंधन का औपचारिक प्रशिक्षण भी दिया गया है।

गणेश विसर्जन झांकियों को लेकर पुलिस व प्रशासन की समीक्षा बैठक: सदर बाजार में बिना रूट बदले निकलेगी झांकी, साउंड और वाइब्रेशन पर लगा प्रतिबंध

रायपुर, 23 सितंबर 2026: राजधानी में गणेश विसर्जन झांकियों के सुचारू, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर रायपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा 8-4 भवन में गणेश उत्सव समितियों के आयोजकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। दोपहर 3 बजे संपन्न हुई इस बैठक में पुलिस कमिश्नरेट के जोन, क्राइम एवं यातायात के डीसीपी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ-

साथ जिला प्रशासन, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग (PWD), स्वास्थ्य विभाग और SDRF के अधिकारी मौजूद रहे।

सुरक्षा, यातायात और कानून-व्यवस्था हेतु मुख्य दिश-निर्देश

बैठक में विसर्जन झांकियों के संचालन और सुरक्षा व्यवस्था

को लेकर निम्नलिखित बिंदुओं पर आयोजकों के साथ सहमति बनी:

- समय और मार्ग का पालन: समितियों को झांकी के लिए निर्धारित मार्ग, समय और क्रम का कड़ाई से पालन करना होगा। मार्ग में अनावश्यक रूप से झांकी रोकने की अनुमति नहीं होगी।

- पहचान पत्र के साथ वॉलंटियर्स: सभी आयोजकों को पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित वॉलंटियर्स तैनात करने होंगे, जिन्हें स्पष्ट पहचान पत्र (ID) उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

- नशे व हथियारों पर पूर्ण प्रतिबंध: विसर्जन के दौरान नशे का सेवन करने, धारदार वस्तुएं या किसी भी प्रकार का हथियार साथ रखने पर सख्त पाबंदी



रहेगी।

- आपातकालीन रास्ता: एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और पीछे से आने वाली झांकियों के आवागमन के लिए मार्ग को हमेशा सुचारू रखना होगा।

अधिकारियों ने पुरानी इमारतों के कारण संभावित सुरक्षा खतरों को देखते हुए विसर्जन मार्ग में आंशिक बदलाव का प्रस्ताव रखा।

- आयोजकों का रुख: गणेश उत्सव समितियों के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से प्रस्तावित रूट परिवर्तन पर असहमति व्यक्त की।

- सुरक्षा पर समझौता/सहमति: रूट न बदलने के आयोजकों के आग्रह के बाद सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष शर्तों पर सहमति बनी। आयोजकों ने वचन दिया कि जर्जर भवनों वाले क्षेत्र से गुजरते समय-

- ध्वनि विस्तारक यंत्रों (डीजे/साउंड सिस्टम) का साउंड निर्धारित मानक सीमा के भीतर ही रखा जाएगा।

- साउंड सिस्टम का बेस (Base) और वाइब्रेशन (Vibration) मोड पूरी तरह बंद रखा जाएगा, ताकि इमारतों पर कंपन का असर न पड़े।

- पुलिस, प्रशासन और स्त्रक्रत्र द्वारा दिए जाने वाले अन्य सभी सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

कमिश्नरेट पुलिस एवं जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी उत्सव समितियों से अपील की गई है कि वे अपने वॉलंटियर्स व पदाधिकारियों को इन निर्णयों से अवगत कराएं और विसर्जन पर्व को शांतिपूर्ण व भव्य रूप से संपन्न कराने में सहयोग करें।

संकल्प को साकार करता है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस परियोजना के पूरा होने से: - धार्मिक पर्यटन का विस्तार: देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में कई गुना वृद्धि होगी। - रोजगार के नए अवसर: नवा रायपुर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में परिवहन, आतिथ्य (हॉस्पिटैलिटी) और स्थानीय व्यापार में युवाओं के लिए रोजगार के नए साधन बनेंगे। - सांस्कृतिक पहचान: चंपारण्य की आध्यात्मिक गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए इसे विश्वस्तरीय पर्यटन मानचित्र पर



सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार का यह फैसला प्रधानमंत्री मोदी के विकास भी, विरासत भी- के

वेज और नॉनवेज खाद्य पदार्थों की पैकिंग भी एक ही स्थान पर की जा रही थी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने इन व्यवस्थाओं को खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों के उल्लंघन से संबंधित माना है।

चीज, सॉस और क्रीम के सैंपल जांच के लिए भेजे

कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने डोमिनोज पिज्जा सेंटर से चीज, सॉस और क्रीम के नमूने लिए हैं। इन सभी नमूनों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार प्रयोगशाला से प्राप्त होने वाली जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई का जाएगा। जांच रिपोर्ट में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से संबंधित कोई गड़बड़ी सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

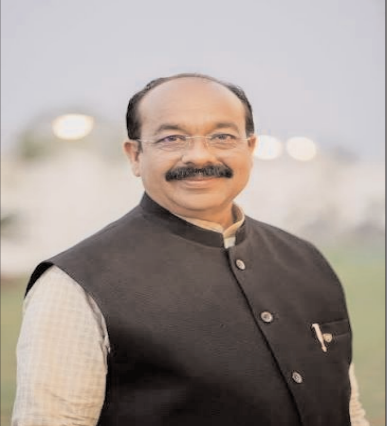
एक सप्ताह के लिए लाइसेंस सस्पेंड, प्रबंधन को नोटिस निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी

स्थान मिलेगा।

सांसद के प्रयासों से मिली सफ़्तता

गौरतलब है कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने 26 फरवरी 2026 को केंद्रीय पर्यटन मंत्री को पत्र लिखकर चंपारण्य धाम को राष्ट्रीय स्तर के आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए ७100 करोड़ की समग्र परियोजना का अनुरोध किया था। सांसद के इस पत्राचार और निरंतर प्रयासों पर संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार ने 73.42 करोड़ रुपये की इस महत्वपूर्ण योजना को स्वीकृति प्रदान की है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं उप मुख्यमंत्री अरूण साव आज कवर्धा में 4 लेन सड़क एवं डिवाइडर निर्माण का करेंगे भूमिपूजन



54 करोड़ रूपए की लागत से 4 लेन सड़क बनने से शहर के विकास को मिलेगा नई रफ्तार

कवर्धा:उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा एवं उप मुख्यमंत्री अरूण साव गुरुवार 24 सितंबर को कृषि उपज मंडी परिसर कबीरधाम में आयोजित समारोह में कवर्धा शहर के विकास को नई रफ्तार देने वाली महत्वपूर्ण 4 लेन सड़क एवं डिवाइडर निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे। उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय कवर्धा में 54 करोड़ की लागत से राष्ट्रीय राज मार्ग क्रमांक 30 के किलो मीटर 50 से 57 तक 7.8 किलो मीटर का फोर लेन का उन्नयन एवं डिवाइडर निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से शहर के विकास नई रफ्तार मिलेगी। यह सड़क रायपुर मार्ग से बिलासपुर मार्ग तक, चंद्रयान हॉस्पिटल से कवर्धा शहर होते हुए जोराताल के आगे तक बनाई जाएगी। गुरुवार



24 सितंबर को नवीन कृषि उपज मंडी परिसर आयोजित भूमिपूजन समारोह के अवसर पर सांसद संतोष पांडेय एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे।

जिला प्रशासन द्वारा शहर के विकास को गति देने वाली इस महत्वपूर्ण कार्यों के भूमिपूजन समारोह को सफ़्तता पूर्वक संपन्न करने हेतु सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसका निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से शहर में आवागमन सुगम होगा और नागरिकों के साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस 4 लेन सड़क परियोजना के तहत दो स्थानों पर भव्य प्रवेश द्वार भी बनाए जाएंगे। इन प्रवेश द्वारों को कवर्धा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान यानी धर्मनगरी के स्वरूप के अनुरूप विकसित किया जाएगा। यह निर्माण कार्य कवर्धा के विकास की दिशा में यह निर्माण शहर की सुव्यस्थित यातायात व्यवस्था, सुंदरता और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण कदम होगा।

मानवता की मिसाल: विधायक अनुज शर्मा और उनकी धर्मपत्नी ने लिया मरणोपरांत अंगदान का संकल्प, मुख्यमंत्री ने सराहा

रायपुर। राजधानी के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में आयोजित राज्यस्तरीय ‘आयुर्वेद सेवा सम्मेलन’ एक ऐतिहासिक और भावुक पल का गवाह बना। सेवा, समर्पण और सामाजिक चेतना से ओत-प्रोत इस गरिमामय समारोह में धरसीवा विधायक अनुज शर्मा और उनकी धर्मपत्नी ने मरणोपरांत अंगदान का पावन संकल्प लेकर प्रदेश के सामने जनसेवा का सर्वोच्च उदाहरण पेश किया।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की गरिमामयी मौजूदगी में विधायक दंपति ने अंगदान का फ़र्म भरकर समाज कल्याण की दिशा में यह दूरगामी कदम उठाया।

“महर्षि दधीचि की परंपरा का

अनुकरण- ङ्क भावुक हुए विधायक अनुज शर्मा

अंगदान का संकल्प लेने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान विधायक अनुज शर्मा भावुक हो उठे। उन्होंने इसे अपने जीवन का सबसे पवित्र दिन बताते हुए कहा:

अंगदान केवल एक घोषणा नहीं है, यह ईश्वर द्वारा दिए गए इस मानव शरीर का समाज को लौटाया जाने वाला एक विनम्र उपहार है। हमारी सनातन परंपरा में महर्षि दधीचि ने समाज की रक्षा के लिए अपनी अस्थियों का दान कर दिया था; हम तो उनके दिखाए मार्ग पर चलने का एक छोटा सा प्रयास कर रहे हैं। जब हम इस दुनिया में नहीं रहेंगे, तब भी हमारे अंग किसी की अंधेरी जिंदगी में रोशनी ला सकें—इससे बड़ा मानव धर्म और क्या हो सकता है?—



अंगदान से बड़ा कोई महादान नहीं- ङ्क मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विधायक दंपति को इस अनुकरणीय पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह कदम छत्तीसगढ़ के लाखों युवाओं को मानव कल्याण के लिए प्रेरित करेगा।

मुख्यमंत्री ने आयुर्वेद के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा: – सनातन धरोहर: आयुर्वेद केवल बीमारियों का इलाज नहीं, बल्कि एक स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की प्राचीन सनातन पद्धति है। – चिकित्सा प्रणाली का सुदृढ़ीकरण: राज्य सरकारों छुत्तीसगढ़ में आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा पद्धति दोनों को समानांतर रूप से मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दिग्गज जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति और उत्कृष्ट सेवा का सम्मान

समारोह में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा और विधायक प्रबोध मिंज विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों, नियमित रक्तदान करने वाले सेवाभावियों और अंगदान का संकल्प लेने वाले दानदाताओं को मंच पर सम्मानित किया गया।

सम्मेलन का मूल संदेश: देश में हर साल हजारों लोग अंगों के अभाव में अपनी जान गंवा देते हैं। ऐसे में ‘आयुर्वेद सेवा सम्मेलन’ से निकला यह संदेश—“जीते जी भी समाज के काम आएँ और जाने के बाद भी किसी के जीवन का आधार बनें”—प्रदेश में एक नई सामाजिक जागृति की शुरुआत साबित होगा।

डॉ. ममता साहू ने शंकर नगर स्थित पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास का किया औचक निरीक्षण

– छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने छात्राओं से की सीधी बातचीत

रायपुर, 23 सितंबर 2026

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने आयोग की टीम के साथ शंकर नगर, रायपुर स्थित ‘राज्य स्तरीय पोस्ट मैट्रिक पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास’ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और वहां रह रही छात्राओं से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और सुझावों को जाना।

निरीक्षण के दौरान डॉ. साहू ने छात्राओं से उनकी पढ़ाई, भोजन, सुरक्षा और आवासीय सुविधाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। छात्राओं द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दुष्ट करने और समस्याओं के शीघ्र निराकरण के कड़े निर्देश दिए।



सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता

छात्राओं से चर्चा करते हुए आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने कहा, “छात्रावास में रह रही बेटियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य सरकार और आयोग की यही मंशा है कि छात्राओं को पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, ताकि वे

निर्बाध रूप से अपनी शिक्षा पूरी कर अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकें।—

निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी इस औचक निरीक्षण के दौरान राज्य महिला आयोग की प्रतिनिधि श्रीमती मंजू थदानी एवं श्रीमती रश्मी तिवारी, सखी वन स्टॉप सेंटर (रायपुर) की संरक्षण अधिकारी श्रीमती प्रीति पांडेय सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

‘सेवा से संकल्प’ अभियान: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लिया सड़क और साइबर सुरक्षा का संकल्प, ‘ट्रैफिक हैकथॉन 2026’ की सराहना की

रायपुर: प्रदेश में चलाए जा रहे ‘सेवा से संकल्प’ अभियान के तहत माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुरक्षित यातायात और साइबर सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री महोदय ने सड़क सुरक्षा संकल्प पोस्टर पर हस्ताक्षर कर राज्य में सुरक्षित यातायात व्यवस्था का संदेश दिया, वहीं छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित ‘साइबर जागृति अभियान’ के तहत सेल्फी लेकर नागरिकों को साइबर अपराधों से सतर्क रहने का आह्वान किया।

सड़क सुरक्षा एवं ‘ट्रैफिक हैकथॉन 2026’ की प्रशंसा

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को रायपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाए जा रहे यातायात जागरूकता अभियानों और विभिन्न तकनीकी नवाचारों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ‘ट्रैफिक हैकथॉन 2026’ के माध्यम से जन-भागीदारी और आधुनिक तकनीक का उपयोग कर सड़क सुरक्षा को अधिक प्रभावी बनाने के प्रयासों की मुकदंठ से प्रशंसा की।

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने आम नागरिकों से अपील की है कि सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी नागरिक यातायात नियमों का पालन करें, स्वयं सुरक्षित चलें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें।

साइबर अपराधों के विरुद्ध ‘साइबर जागृति संकल्प’

साइबर अपराध मुक्त छत्तीसगढ़ के निर्माण का संदेश देते हुए मुख्यमंत्री महोदय ने साइबर जागृति सेल्फी ली और प्रदेशवासियों से अपील की। डिजिटल फ्रेंड के प्रति जागरूक रहने की रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए निम्नलिखित दिशा-निर्देश जारी किए



हैं: – ओटीपी गोपनीयता: किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी (इडक) साझा न करें। – संदेशास्पद लिंक: किसी भी अज्ञात या संदिग्ध एपीके (ङ्क) लिंक पर क्लिक न करें। – अनजान वीडियो कॉल: अनजान नंबरों से आने वाली व्हाट्सएप वीडियो कॉल उठाने से बचें। – गोपनीय डेटा सुरक्षा: अपना एटीएम पिन (ATM PIN) या अन्य गोपनीय वित्तीय विवरण किसी से शेयर न करें। – सोशल मीडिया सतर्कता: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी निजी जानकारी सार्वजनिक न करें तथा समय-समय पर पासवर्ड बदलते रहें। – आधिकारिक स्रोत: केवल आधिकारिक वेबसाइटों की जानकारी पर विश्वास करें और ऐप हमेशा ‘प्ले स्टोर’ या ‘ऐप स्टोर’ से ही डाउनलोड करें। आपातकालीन सहायता: किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या आधिकारिक पोर्टल http://cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें- के संदेश के साथ रायपुर पुलिस ने सभी से एक सुरक्षित समाज के निर्माण में भागीदार बनने का संकल्प लेने का आह्वान किया है।

रायपुर, 23 सितंबर 2026

छत्तीसगढ़ के रामनामी समुदाय की अनूठी परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म ‘राम-नामी’ ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में ‘सर्वश्रेष्ठ हिंदी डॉक्यूमेंट्री’ का प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर राज्य के संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने फिल्म के निर्देशक भरतबाला गणपति, निर्माता और पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गौरव का क्षण

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ‘राम-नामी’ को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना संपूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है।



वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ हिंदी डॉक्यूमेंट्री

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 की फिल्मों के लिए घोषित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के तहत ‘राम-नामी’ को हिंदी भाषा की सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री चुना गया है। इस फिल्म का निर्माण ‘बीबीपी स्टूडियो वन’अल भारत प्राइवेट लिमिटेड’ द्वारा किया गया है और इसका निर्देशन ख्यात निर्देशक भरतबाला गणपति ने किया है।

स्थानीय रचनाकारों को मिलेगी नई प्रेरणा

संस्कृति मंत्री ने निर्देशक भरतबाला और उनकी टीम के संवेदनशीलता व रचनात्मक प्रयासों को सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस राष्ट्रीय सम्मान से प्रदेश के अन्य लोक कलाकारों, रचनाकारों और फिल्मकारों को अपनी जड़ों तथा लोक परंपराओं को सिनेमा जैसे सशक्त माध्यमों से सामने लाने की प्रेरणा मिलेगी।

‘नया भारत उत्सव’ में Gen Z से रु-ब-रु हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मंच से भाषण छोड़ युवाओं के सवालों के लिए बेबाक जवाब

रायपुर, 23 सितंबर: मोदी सरकार के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम में ‘नया भारत उत्सव’ एवं विशाल युवा संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रायपुर सांसद व वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने पारंपरिक भाषण देने के बजाय नई पीढ़ी (‘जेन जी’) के युवाओं के प्रश्नों का सीधा उत्तर देकर एक अनूठी पहल की।

भाषण नहीं, सवालों के जवाब दूंगा — युवाओं से बेबाक संवाद

सभागार में मौजूद सैकड़ों छात्रों की संबोधित करते हुए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, युवाओं के मन में ढेरों जिज्ञासाएं होती हैं, ‘नया भारत उत्सव’ अभियान के अंतर्गत रायपुर लोकसभा क्षेत्र के



100 से अधिक महाविद्यालयों में विभिन्न रचनात्मक एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

अग्रवाल ने प्रतियोगिता के प्रतिभावान विजेताओं को मंच से प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान कर उनके उवल भविष्य की कामना की।

युवाओं की सोच से बदलती है सरकार की कार्यशैली

सांसद श्री अग्रवाल ने युवाओं की ऊर्जा को सराहत हुए कहा कि आज की नई पीढ़ी का विजन और उनकी सोच यह समझने में मदद करती है कि व्यवस्था को और अधिक जानहिंतेषी कैसे बनाया जाए। युवाओं के सुझाव और नए विचार ही सरकार और जनप्रतिनिधियों को कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव करने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम में प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति

इस युवा समगम में छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री भोजराम देवांगन, श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री योगेश दत्त मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल, श्री मोहन एंटी, भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ की प्रदेश प्रभारी श्रीमती सीमा साहू, कृषि महाविद्यालय के डीन श्री संजय शर्मा, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष श्री राकेश मिश्रा, युवा वैज्ञानिक श्री गजेंद्र चंद्राकर, युवाओं के सुझाव और नए विचार ही सरकार और जनप्रतिनिधियों को कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव करने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम में प्रमुख हस्तियों की

– कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री